RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:169 ता. 30 दिसम्बर 2022, शुक्रवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

द्रौपदी मुर्मू, नरेन्द्र मोदी, शाह ने दी गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व की देशवासियों को शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने गुरूवार को ट्वीट कर कहा, गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। खालसा पंथ के संस्थापक, 'सरबंस दान' गुरु गोबिंद सिंह जी ने हमेशा समानता और न्याय के लिए लड़ाई लड़ी। मानवता की सेवा के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता हमें निरंतर प्रेरित करती रहती है।

श्री मोदी ने ट्वीट किया, उनके प्रकाश पर्व के पवित्र अवसर पर, मैं श्री गुरु गोबिंद सिंह जी को नमन करता हूं और मानवता की सेवा में उनके योगदान को याद करता हूं। उनका अद्वितीय साहस आने वाले वर्षों में लोगों को प्रेरित करता रहेगा। श्री शाह ने ट्वीट कर कहा,सिखों के दसवें गुरु व खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर उनका स्मरण कर उन्हें नमन करता हूँ। धर्म व मानवता की रक्षा हेतु जिस बहादुरी से उन्होंने आक्रांताओं से लोहा लिया वो प्रेरणीय है। उनका त्याग, बलिदान व शिक्षाएँ सदैव हमारा मार्गदर्शन करती रहेंगी। उल्लेखनीय है कि आज सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व देश भर में मनाया जा रहा है। इस अवसर राजधानी दिल्ली के सभी गुरूद्वारों में विशेष तैयारियां की गई है।

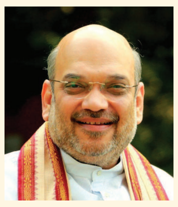

● उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज सिखों के दसवें गुरु गोबिन्द सिंह के प्रकाश पर्व पर उन्हें नमन किया। श्री योगी ने ट्वीट किया, अधर्म व अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष के अनन्य प्रतिमान, अद्वितीय योद्धा, सिखों के दशम गुरु, महान संत, खालसा पंथ के संस्थापक गुरु श्री गोबिन्द सिंह जी महाराज के प्रकाश पर्व पर उन्हें कोटिशः नमन! धर्म व मानवता की रक्षा को समर्पित आपका त्यागमय जीवन मानव सभ्यता हेतु अनमोल पाथेय है। उल्लेखनीय है कि आज सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व देश विदेश में मनाया जा रहा है। इस को लेकर लखनऊ सहित उत्तरप्रदेश के सभी गुरूद्वारों में विशेष तैयारियां की गई है।

मोदी ने दी आंध्र हादसे के पीड़ितों परिजनों को दो लाख की अनुग्रह राशि

● प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरूवार को आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में एक जनसभा में कल हुए हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए दुर्घटना मे मारे गए लोगों परिजनों को दो लाख रूपये और घायलों को 50 हजार रूपये की अनुग्रह राशि पीएमएनआरएफ से देने की घोषणा की हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आज यहां ट्वीट कर कहा, आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में एक जनसभा के दौरान हुए हादसे से आहत हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना। घायल शीघ्र स्वस्थ हों। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से दो लाख रुपये तथा घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि दी जायेगी। उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश के कंदुकुरू में तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू के रोड शो में बुधवार शाम हुई भगदड़ में आठ लोगों की मौत हो गयी और 10 अन्य घायल हो गये थे।

रामपुर किला ढहाने के बाद आजम खान के ही आवास में रहेंगे बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना

लखनऊ। रामपुर में किला ढहाने वाले नवनिर्वाचित विधायक आकाश सक्सेना को अब आजम खान का आवास भी मिल गया है। राज्य संपत्ति विभाग ने उन्हें आवास आवंटित किया है। विधायक आकाश ने बताया कि दारुलशफा का वही आवास आवंटित किया गया है जो सालों से समाजवादी पार्टी नेता आजम खान के पास था। हाल ही में आजम खान जेल से छुटने के बाद इसी आवास में रुके थे। रामपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना ने सपा के उम्मीदवार और आजम खान के करीबी आसिम रजा को करीब 33 हजार वोट के अंतर से जीत दर्ज थी। विधायक आकाश सक्सेना ने बताया कि नियमों के तहत आवास मिलता है। जानकारी मिली है कि 34 क्क मुझे आवंटित किया गया है। अभी देखा नहीं है।

सोमवार को ली थी शपथ

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने सोमवार को रामपुर से नवनिर्वाचित विधायक आकाश सक्सेना को विधान सभा की सदस्यता की शपथ दिलाई। इसके बाद नव निर्वाचित विधायक आकाश सक्सेना ने सपा के खिलाफ जमकर हमला बोला। आकाश ने आजम खान पर निशाना साधते हुए कहा कि रामपुर की जनता पर कोई भी अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब पहले से ज्यादा मजबूती के साथ लड़ाई लड़ी जाएगी। रामपुर में अब केवल उद्योगों की बात होगी। आकाश सक्सेना ने कहा कि यह शपथ विकास और नव रामपुर के निर्माण को समर्पित है। उन्होंने कहा कि मैं विश्वास दिलाता हूं कि रामपुर के सेवक के रूप में काम करूंगा औरं रामपुर को औद्योगिक नगरी बनाने के लिए कार्य करूंगा।

राहुल गांधी को कैसे जीवनसाथी की तलाश? भारत जोड़ो यात्रा के दौरान बताई अपनी पसंद

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अपनी निजी पसंद को लेकर भी कई बातें खुलकर कीं। शादी और जीवनसाथी के बारे में सवाल किए जाने पर उन्होंने बताया कि उन्हें कैसी लड़की चाहिए। राहुल गांधी ने कहा, मैं ऐसी लड़की के साथ घर बसाना पसंद करूंगा जिमें मेरी मां और मेरी दादी इंदिरा गांधी दोनों के गुण मौजूद हों। राहुल गांधी ने अपने ट्विटर पर एक यूट्यूब इंटरव्यू की क्लिप पोस्ट की है। राहुल गांधी ने इंदिरा गांधी के बारे में कहा, वह मेरे जीवन का प्रेम हैं और मेरी दूसरी मां हैं। उनसे जब पूछा गया कि किस तरह की महिला के साथ शेटल होना चाहेंगे तो राहुल ने जवाब दिया, अच्छा सवाल है...मैं ऐसी लड़की को प्राथमिकता दूंगा... जिसमें मेरी मां और मेरी दादी दोनों के ही गुण हों। राहुल गांधी से जब पसंदीदा गाड़ी के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, मुझे कार का बहुत शौक नहीं है। मेरे पास एक भी कार नहीं है। मुझे मोटरसाइकल चलाना पसंद है लेकिन साइकल ज्यादा पसंद करता हूं। इसके पीछे

की जो सोच है वह है कि इसमें व्यक्ति अपनी ताकत के दम पर चलता है। राहुल गांधी ने इस इंटरव्यू में ड्रोन सिस्टम के विकास पर भी बात की और कहा कि भारत ने इसको लेकर अवसर गंवाए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि अगर उन्हें कोई पप्पू कहता है तो वह बुरा नहीं मानते क्योंकि उन्हें लगता है कि यह केवल दुष्प्रचार के लिए किया जा रहा है और ऐसा बोलने वाले लोग डरे हुए हैं और खुद में ही परेशान हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई ऐसी बातें बोलता है तो समझिए कि उसकी निजी समस्या है और उसके रिश्ते अच्छे नहीं चल रहे हैं। ऐसे में वह किसी को गाली देना चाहता है। मैं उसकी गाली का भी स्वागत करता हूं।

रूसी पर्यटकों के अंतिम संस्कार पर कांग्रेस सांसद ने उठाए सवाल

जली लाशें कहानियां नहीं सुनातीं-मनीष तिवारी

नई दिल्ली । पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने ओडिशा के एक होटल में पिछले हफ्ते संदिग्ध परिस्थितियों में दो रूसी नागरिकों की मौत पर सवाल उठाया। उन्होंने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि इसाई प्रथा के अनुसार दोनों के शव दफनाए क्यों नहीं गए। उनके शवों को जला क्यों दिया गया। रूसी सांसद और अरबपति बिजनेसमैन 65 साल के पावेल एंटव की 24 दिसंबर को होटल की तीसरी मंजिल से गिरने से मौत हो गई थी। वहीं, उनके साथी पर्यटक व्लादिमीर बिदेनोव 22 दिसंबर को होटल में मृत मिले थे।

जली लाशें कहानियां नहीं सुनातीं

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने इस घटन पर एक ट्वीट शेयर किया था। जिसमें उन्होंने लिखा कि हरक्यूल पॉयरोट कहते हैं कि जली हुई लाशें कोई कहानी नहीं बयां करतीं। बताते चलें कि हरक्यूल पोयरोट ब्रिटिश लेखक अगाथा क्रिस्टी द्वारा रचित एक काल्पनिक बेल्जियन जासूस है।

मनीष तिवारी ने वीडियो में उठाए सवाल-इस मामले ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा क्योंकि एंटव ने इस साल की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन पर आक्रमण की आलोचना की थी। तिवारी ने पहले ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन रहस्यमयी परिस्थितियों को उजागर किया गया था जिनमें दो रूसी पर्यटक मृत पाए गए थे। इसमें उन्होंने कहा था, रूसी ओलिगार्क... युद्ध का आलोचक... असामान्य होटल... रहस्यमय परिस्थिति में सहयोगी की मौत... एक सुविधाजनक खिड़की एक और मौत ईसाई होने के बावजूद दफनाए जाने की बजाय दोनों का अंतिम सरकार भारत में हुआज शव रूस नहीं भेजे गए. अगर ये अप्राकृतिक नहीं है तो मैं कभी लॉ स्कूल नहीं गया.

ओडिशा पुलिस ने साजिश से किया इनकार-पूरे घटनाक्रम को लेकरओडिशा पुलिस ने दोनों मौतों में किसी भी तरह की साजिश से इनकार किया है। ओडिशा के पुलिस महानिदेशक सुनील बंसल ने पोस्टमार्टम परीक्षा के बाद कहा, यह कोई साजिश नहीं है। बायडानोव की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई थी। वहीं, एंटव ने होटल की छत की छत से छलांग लगा दी थी।

प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के दो दर्जन ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने केरल में गुरुवार तड़के प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक एनआईए की कई टीमों ने राज्य में पीएफआई के दो दर्जन से ज्यादा ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की है। राज्य के एनार्कुलम एवं तिरुवनंतपुरम स्थित पीएफआई के ठिकानों पर यह छापेमारी की गई है। पीएफआई पर लगाए गए प्रतिबंध के बाद इस संगठन के खिलाफ यह बड़ी कार्रवाई है। जानकारी मिली थी कि इस संगठन से जुड़े लोग दोबारा

सक्रिय होकर पीएफआई को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहे थे। इससे पहले बीते कुछ माह में एनआईए के खिलाफ देशव्यापी छापेमारी हुई थी जिसमें बड़ी संख्या में संगठन से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया गया था। सितंबर में पीएफआई के आईएसआईएस जैसे कुख्यात आतंकी संगठनों से सांठगांठ का पर्दाफाश हुआ था। जिसके बाद पीएफआई और इससे जुड़े कुछ अन्य संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

सावधान ! जनवरी में बढ़ सकती है कोरोना की रफ्तार, सरकार ने तेज की तैयारी

नई दिल्ली। चीन, जापान समेत कई देशों में बढ़ रहे कोरोना के मामलों के बाद भारत सरकार भी अलर्ट है। कोरोना के मद्देनजर भारत में कोई पाबंदी तो नहीं लगाई गई, लेकिन इससे निपटने की तैयारी तेज कर दी गई हैं।

जनवरी में बढ़ेगी Covid-19 की रफ्तार!

माना जा रहा है कि जनवरी में कोरोना संक्रमण बढ़ सकता है। बीते तीन सालों के ट्रेंड को देखें तो अगले महीने कोरोना के मामलों में तेजी देखने को मिल सकती है। हालांकि, राहत की बात है कि कोरोना के मामले बढ़ने के बावजूद अस्पतालों में भर्ती होने की जरूरत नहीं पढ़ेगी। साथ ही इससे होने वाली मौत की आशंका भी कम रहेगी।

भारत में नहीं होगा Coronavirus का असर

ओमिक्रोन का नया वैरिएंट बीएफ-7 भले ही चीन में कोहराम मचा रहा है, लेकिन भारत में इसका ज्यादा असर पड़ने की संभावना कम ही है। अधिकारियों का कहना है कि भारत में बनी कोविशील्ड और कोवैक्सीन काफी कारगर हैं। ऐसे में भारत में इसका उतना असर होने की आशंका नहीं है।

अगले सप्ताह से अनिवार्य हो सकता है एयर सुविधा फार्म

अगले हफ्ते चीन, जापान समेत 6 देशों से भारत आने वाले सभी यात्रियों के लिए एयर सुविधा फार्म भरना अनिवार्य किया जा सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, प्रस्थान से 72 घंटे पहले आरटीपीसीआर टेस्ट की रिपोर्ट भी अनिवार्य किए जाने की संभावना है। अभी चीन, जापान, हांगकांग, थाईलैंड, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर से आने वाले यात्रियों के लिए कोरोना टेस्टिंग अनिवार्य की गई है। मंगलवार तक कुल 6 हजार यात्रियों की कोरोना टेस्ट किया जा चुका है। इनमें से 39 यात्री कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं।

कफ सीरप पीने से 18 बच्चों की मौत !

नई दिल्ली। एक बार फिर भारतीय दवा कंपनी की कफ सीरप जांच के घेरे में है। उज्बेकिस्तान में 18 बच्चों की मौत के लिए भारतीय कंपनी की दवा को जिम्मेदार बताया गया है, जिसका उत्पादन उत्तर प्रदेश के नोएडा में होता है। उज्बेकिस्तान की ओर से आरोप लगाए जाने के बाद भारत सरकार ने भी जांच शुरू कर दी है। मध्य एशियाई देश के स्टेट सिक्यॉरिटी सर्विस ने कहा कि इसने मामले में आपराधिक जांच शुरू कर दी है। एसएसएस प्रेस सर्विस ने मंगलवार को कहा कि इन बच्चों को मैरियन बायोटेक की ओर से निर्मित **Doc-v Ma&** टैबलेट और सीरप दिया दिया गया था। 18 बच्चों की मौत के बाद **Qurama& Medical** (दवा आयातक) के अधिकारियों के खिलाफ भी आपराधिक मुकदमा दर्ज किया गयाा है। उज्बेकिस्तान की मीडिया के मुताबिक, लैब टेस्ट के दौरान इस कफ सीरप में केमिकल इथाइलीन ग्लाइकॉल पाया गया। इसी केमिकल के पाए जाने के बाद हरियाणा की मेडेन फार्मा के खिलाफ जांच की गई, जिसे गाम्बिया में 70 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार बताया गया था। हालांकि, जांच के बाद भारत सरकार ने डब्ल्यूएचओ को बताया है कि कंपनी से लिए गए सभी सैंपल जांच में सही पाए गए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया और अधिक

जाानकारी प्राप्त करने के लिए उज्बेक रेग्युलेटर के संपर्क में है। यह कंपनी लंबे समय से उज्बेकिस्तान में दवा भेज रही है। मैरियन बायोटेक ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, एचटी ने ऑफिस का दौरा किया और फोन पर भी संपर्क का प्रयास किया।

अलर्ट किए जाने के बाद सेंट्रल ड्रग्स रेग्युलेट्री टीम उत्तर प्रदेश ड्रग्स लाइसेंसिंग अथॉरिटी के संपर्क में है और मंगलवार से जांच शुरू कर दी गई है। नॉर्थ जोन के सेंट्रल ड्रग्स रेग्युलेट्री टीम और स्टेट ड्रग्स रेग्युलेट्री टीम ने संयुक्त जांच की और सैंपल उठाए हैं। स्टेट ड्रग्स रेग्युलेट्री अथॉरिटी ने इसकी पुष्टि की है। ड्रग्स कंट्रोलिंग एंड लाइसेंसिंग अथॉरिटी उत्तर प्रदेश के डेप्युटी कमिश्नर एके जैन ने कहा, जैसे ही हमें सेंट्रल ड्रग्स रेग्युलेट्री टीम से ईमेल मिला कि आज जांच की आवश्यकता है, हमने तुरंत एक जांच टीम बनाई, जिसमें असिस्टेंट कमिश्नर ड्रग्स (मेरठ डिवीजन) और ड्रग इंस्पेक्टर गौतमबुद्ध नगर शामिल हैं। ये सेंट्रल ड्रग्स स्टैंटर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन के साथ आरोपों की जांच करेंगे।

● **इसी केमिकल के पाए जाने के बाद हरियाणा की मेडेन फार्मा के खिलाफ जांच की गई, जिसे गाम्बिया में 70 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार बताया गया था। हालांकि, जांच के बाद भारत सरकार ने डब्ल्यूएचओ को बताया है कि कंपनी से लिए गए सभी सैंपल जांच में सही पाए गए हैं।**

पन्ना टाइगर रिजर्व में गुंजी शावकों की किलकारी, तीन शावकों का हुआ जन्म

नयी दिल्ली। पन्ना टाइगर रिजर्व में भी नए साल से पहले खुशखबरी आई है। पन्ना टाइगर रिजर्व में युवा बाघिन पी-653 ने तीन शावकों को जन्म दिया है। जानकारी के मुताबिक पर्यटकों ने हिनौता क्षेत्र में बाघिन के शावक देखे है। इस दौरान बाघिन के साथ शावकों का वीडियो भी पर्यटकों द्वारा वायरल किया गया है। बाघिन रिजर्व एरिया में अपने शावकों के साथ चहलकदमी करती हुई दिखी है। वहीं इस बात की जानकारी पन्ना टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक ने भी दी है। संचालक ने कहा कि पन्ना टाइगर रिजर्व में नन्हे मेहमान आए है। इनके आने से प्रबंधन में काफी खुशी का माहौल बना हुआ है। नन्हे शावकों के स्वास्थ्य पर भी निगरानी की जा रही है। वहीं तीनों शावकों की सेहत पर अपडेट देते हुए पन्ना टाइगर रिजर्व के अधिकारी का कहना है कि पार्क के मैदानी इलाकों में शावकों और बाघिन को देखा गया है। अब तक की जानकारी में शावक जन्म के बाद से पूरी तरह स्वस्थ है। शावक अपनी नियमित दिनचर्या को पूरा कर रहे है। वन विभाग भी उनकी लगातार निगरानी में जुटा हुआ है। जानकारी के मुताबिक बाघों के पूरे परिवार का जिन इलाकों में मूवमेंट अधिक है उन इलाकों में किसी भी बाहरी व्यक्ति का जाना मना कर दिया गया है। स्थानीय प्रशासन तीनों शावकों को लेकर काफी ध्यान रख रही है। वहीं पन्ना में जन्मे शावकों के बाद बाघों की संख्या में भी इजाफा होगा।

अयोध्या में चेकिंग के दौरान पुलिस पर फायरिंग दोनों बदमाश गिरफ्तारी

अयोध्या । उत्तर प्रदेश का शासन-प्रशासन भले ही कुछ भी कह ले लेकिन प्रदेश से बदमाशों का खात्मा हो गया है यहां फिर वे प्रदेश छोड़कर फरार हो चुके हैं लेकिन हकीकत कुछ और है। रामनगरी अयोध्या में भी बदमाश प्रदेश पुलिस को चुनौती देते नजर आ रहे हैं। संवेदनशील नगरी कही जाने वाली अयोध्या के बीकापुर में एक ताजा मामले में दो बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। गिरफ्तारी के बाद इन दोनों की शिनाख्त पेशेवर अपराधियों के तौर पर हुई। दरअसल पुलिस रूटीन चेकिंग कर रही थी तभी बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के जलालपुर रेलवे क्रॉसिंग की तरफ जा रहे दो बाइक सवारों को पुलिस ने पूछताछ के लिए रोको लेकिन दोनों बदमाशों प्रवीण और फिरोज ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की। फायरिंग के बाद अलर्ट हुई पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में घेराबंदी करते हुए दोनों को कुछ ही देर में गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया। पुलिस को मुठभेड़ के बाद जलालपुर रेलवे क्रॉसिंग से दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। प्राथमिक पूछताछ में पता चला है कि दोनों अपराधी पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं और दोनों का लंबा आपराधिक रिकॉर्ड है। दोनों गैंगस्टर शातिर किस्म के चोर और लुटेरे है। इनके पास से पुलिस को अवैध तमंचा जिंदा कारतूस और दो इस्तेमाल हुए कारतूस के खोखे सहित चोरी की बैटरी और इनवर्टर के साथ एक स्टैबलाइजर भी बरामद हुआ।

बुजुर्गों की पेंशन में देरी की समस्या का स्थायी हल निकालें

नई दिल्ली । केंद्र सरकार द्वारा अपना हिस्सा न देने और वित्त विभाग की लापरवाही से दिल्ली में 426058 बुजुर्गों को समय पर पेंशन नहीं मिल पा रही है। ऐसे में दिल्ली विधानसभा की याचिका समिति ने समाज कल्याण विभाग और वित्त विभाग के अफसरों को पेंशन देने में हो रही देरी पर जमकर फटकार लगाई। बुधवार को आयोजित बैठक के दौरान समिति के सामने आया कि बुजुर्गों को दी जाने वाली दो हजार रुपये की पेंशन में से 200 रुपये केंद्र सरकार की तरफ से आता है जबकि 1800 रुपये दिल्ली सरकार देती है। डेढ़ साल से बुजुर्गों की पेंशन का 200 रुपये केंद्र सरकार नहीं दे रही है। इस 200 रुपये को लेकर वित्त विभाग की तरफ से बुजुर्गों की पेंशन में दो से तीन महीने तक की देरी हो रही है। ऐसे में याचिका समिति ने वित्त विभाग और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को पेंशन में देरी की समस्या का स्थायी हल निकालने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में समिति के एक सदस्य ने कहा कि आम आदमी पार्टी के विधायकों की शिकायत है कि बुजुर्गों को दी जाने वाली पेंशन तीन-चार महीने की देरी से आ रही है। ऐसे में याचिका समिति ने वित्त विभाग और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को पेंशन में देरी की समस्या का स्थायी हल निकालने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में समिति के एक सदस्य ने कहा कि आम आदमी पार्टी के विधायकों की शिकायत है कि बुजुर्गों को दी जाने वाली पेंशन तीन-चार महीने की देरी से आ रही है।

बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा की जासूसी में जुटी संदिग्ध चीनी महिला सुरक्षा एजेंसी सतर्क

गया। बिहार की गया पुलिस सोशल मीडिया की मदद से संदिग्ध चीनी महिला की तलाश कर रही है। वहीं सेंट्रल सुरक्षा एजेंसी और खुफिया एजेंसिया भी इस लेकर काफी सक्रिय हैं। दरअसल बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा बोधगया में हैं उनकी जासूसी करने के लिए एक चीनी महिला जासूस के यहां पहुंचने की आशंका है। इस संदिग्ध चीनी महिला की तलाश में सुरक्षा एजेंसिया जुटी हुई है। इस लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने चीनी महिला का स्केच फोटो जारी किया है। हालांकि इस संदिग्ध महिला का कोई पता नहीं चल सका है। पता चला है कि चीनी महिला 1 साल से अधिक समय से गया बोधगया सहित देश के कई हिस्सों में अपना ठिकाना बना कर रह रही है। बताया जा रहा है कि चीनी महिला के रहने को लेकर फॉरेन सेक्शन में भी कोई रिकॉर्ड नहीं है। इस लेकर सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि धर्मगुरु दलाई लामा की जासूसी के लिए चीनी महिला यहां पर अपना ठिकाना बनाई हुई है। वहीं गया पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों ने चीनी महिला का एक स्केच भी जारी किया है। इस स्केच के माध्यम से चीनी महिला का लोकेट करने में जुटी है। हालांकि इस मामले में एसएसपी हरप्रीत कौर ने बताया है कि इनपुट मिला है कि चीनी महिला गया में रह रही है और पिछले 2 साल से उसके रहने का इनपुट मिल रहा है। लेकिन फॉरेन सेक्शन में कोई रिकॉर्ड नहीं है यह देखकर अलर्ट हैं और उसकी तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि चीनी जासूसी होने के शक इनकार भी नहीं किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि वह चीनी महिला दिखने में दुबली-पतली है और उसके सिर पर बेहद छोटे-छोटे बाल है। इस संदिग्ध महिला ने बौद्ध भिक्षु का रूप धारण कर रखा है। पुलिस मुख्यालय होकर बोधगया तक पहुंची इस जानकारी के बाद खुफिया तंत्र मुखबिरों की भी मदद ले रहा है।

नए साल के मौके पर पंजाब में आंतकी हमले की साजिश इंटेलिजेंस एजेंसियों का अलर्ट

चंडीगढ़ । भारतीय इंटेलिजेंस एजेंसियों के मुताबिक पंजाब में फिर बड़े आतंकी हमले की साजिश रची जा रही है। इस लेकर खुफिया एजेंसियों ने गुरुवार को अलर्ट जारी किया है। साजिश हमेशा की तरह सीमा पार पाकिस्तान से रची जा रही है। हमला नए साल के मौके पर हो सकता है। खुफिया एजेंसियों ने बड़े आतंकी हमले का अलर्ट जारी कर कहा है कि 'पाकिस्तान के आतंकी संगठनों से संबंध रखने वाले कुछ आतंकी पंजाब में मौजूद हैं। साथ ही यहां एक स्लीपर सेल का मॉड्यूल भी मौजूद है। जो पुलिस स्टेशन को टारगेट कर सकते हैं। इसके लिए मोहाली में एक पुलिस स्टेशन की रेकी की जा चुकी है। साथ ही आरपीजी से पुलिस स्टेशन पर हमला करने की साजिश भी रची जा रही है। एजेंसियों ने पंजाब पुलिस को पहले सूचित किया था कि 'राज्य में हमला करने के लिए चार से पांच रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) पाकिस्तान से भेजे गए थे। इसमें से 9 मई 2022 की रात मोहाली में पंजाब पुलिस के इंटेलिजेंस विंग के मुख्यालय पर रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) से हमला किया गया था। जबकि हाल ही में तरनतारन के सरहाली में दूसरा इस्तेमाल हुआ है जबकि बीते मंगलवार को आतंकवादी लखबीर लंडा के एक उप-मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने तीन गुर्गों से एक आरपीजी बरामद कर लिया था। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक अभी भी एक या दो आरपीजी कहीं छुपाकर रखे गए हैं। इसकारण हमले की आशंका बढ़ी है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को सख्ती से लागू करें : शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को सख्ती के साथ लागू करने का निर्देश दिया है। शाह ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति और विकास पहलुओं पर समीक्षा बैठक मैं यह बात कही। उन्होंने सुरक्षा ग्रिड के कामकाज और सुरक्षा से सम्बंधित सभी पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की और आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा आम आदमी के हितों की रक्षा के लिए यह जरूरी है कि आतंकवादी-अलगाववादी अभियान को सहायता बढ़ावा देने और बनाए रखने वाले तत्वों तथा आतंक के पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट किया जाए। बैठक के दौरान उन्होंने केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की भी समीक्षा की और परियोजनाओं को समय पर पूरा करने पर जोर दिया।

उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों की सो फ़ीसदी संतुष्टि के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने और समाज के हर वर्ग तक विकास के लाभों को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा केंद्रीय गृह सचिव निदेशक (आईबी) रॉ प्रमुख और भारत सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों ने भाग लिया। शाह ने एक अन्य बैठक में लेह और लद्दाख में सुरक्षा की स्थिति तथा विकास परियोजना की भी समीक्षा की।

बिहार के लिए उथल-पुथल वाला होगा 2023 गायब हो जाएंगे नीतीश सीएम कुर्सी संभालेंगे तेजस्वी : सुशील मोदी

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 दिसंबर को 'नमामि गंगे' कार्यक्रम के लिए कोलकाता जाने वाली हैं। इसके लिए केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित सभी उत्तर-पूर्वी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लेने का निर्णय लेते हुए कहा है कि इस कार्यक्रम में उनकी जगह डिप्टी तेजस्वी यादव हिस्सा लेंगे। इसे लेकर राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने सीएम नीतीश कुमार पर तंज कसा है। सुशील मोदी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार में पीएम मोदी का सामना करने की हिम्मत नहीं है इसलिए उन्होंने सामान्य प्रोटोकॉल नजरअंदाज करते हुए कार्यक्रम से दूरी बना ली है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि अगले साल 2023 में बिहार की राजनीति में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। सीएम नीतीश कुमार राज्य की राजनीति से गायब हो जाएंगे और तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे।

इसको लेकर बिहार में राजनीति गर्म हो गई है और भाजपा आरोप लगा रही है कि सीएम नीतीश पीएम मोदी से आमना-सामना करने से बच रहे हैं। हालांकि इस मसले पर नीतीश कुमार ने अपना पक्ष मीडिया के समक्ष रखा है। उन्होंने कोलकाता की मीटिंग में नीतीश के नहीं जाने पर कहा कुछ लोग बेवजह की बात करते रहते हैं। सबको जानना चाहिए कि पिछली बार बैठक में कौन गया था। पिछली बार सुशील मोदी बिहार के डिप्टी सीएम थे तब वह बैठक में गए थे। विभाग भी भाजपा के पास था। अब तेजस्वी यादव डिप्टी सीएम हैं और विभाग भी उनके पास ही है इसलिए वह जा रहे हैं। इसमें सवाल खड़ा करने वाली कौन सी बात है।

बता दें कि नीतीश कुमार के इस फैसले को लेकर बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी ने कहा था कि मुख्यमंत्री नीतीश में पीएम मोदी से आंख मिलाने की हिम्मत नहीं है; यही कारण है कि कोलकाता में होने वाली बैठक में नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धोखा दिया है उसके बाद उनके अंदर उनके साथ बैठने प्रधानमंत्री से हाथ मिलाने और उनसे बातचीत करने का साहस नहीं है। उन्हें संकोच होता है कि वह किस मुंह से उनके सामने जाएंगे इसलिए वह कोलकाता जाने से बच रहे हैं। यही कारण है कि तेजस्वी यादव को कोलकाता में मुख्यमंत्रियों की बैठक में भेज रहे हैं।

सुशील मोदी ने मुख्यमंत्री के कोलकाता नहीं जाने और उनकी जगह डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को भेजे जाने पर दुख जाहिर करते हुए कहा जहां मुख्यमंत्री को जाना चाहिए था वहां उप मुख्यमंत्री को भेजा जाना ठीक नहीं है। यह गलत परंपरा की शुरुआत है। सुशील कुमार मोदी ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार आते हैं तो प्रोटोकॉल के तहत मुख्यमंत्री को वहां जाना होता है। ऐसे में यह गलत परंपरा की शुरुआत है। उन्होंने यह भी कहा कि पीएम मोदी के बिहार आने पर प्रोटोकॉल को पूरा करने के लिए भी क्या वह खुद जाते हैं या तेजस्वी यादव को भेजते हैं यह देखना होगा।

राहुल ने 2020 से 113 बार तोड़े सुरक्षा नियम कांग्रेस के पत्र पर सीआरपीएफ ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में चल रही भारत जोड़ो यात्रा के दिल्ली पहुंचने के दो दिन बाद उनकी सुरक्षा में चूक का मामला चर्चा में है। कांग्रेस ने इसको लेकर गृह मंत्रालय को एक चिट्ठी लिखकर कड़ा ऐतराज जताया था और कहा कि दिल्ली पुलिस जान-बूझकर राहुल को सही सुरक्षा मुहैया नहीं करा रही है। अब कांग्रेस के इस आरोप का जवाब केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने दिया है। सीआरपीएफ ने कहा कि राहुल गांधी की ओर से निर्धारित दिशा-निर्देशों का कई बार उल्लंघन किया गया जिसके चलते यह चूक हुई है।

सीआरपीएफ ने अपने जवाब में कहा कि 2020 के बाद से राहुल गांधी की ओर से सुरक्षा प्रोटोकॉल का 113 बार उल्लंघन किया गया और उन्हें इस बारे में समय-समय पर सूचित किया गया है। सीआरपीएफ ने कहा हमले यह भी बताया था कि भारत जोड़ो यात्रा के दिल्ली चरण के दौरान राहुल ने सुरक्षा दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया है। सीआरपीएफ ने अपने जवाब में यह भी कहा कि राहुल गांधी के लिए सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए गए हैं। राहुल के दौरे के दौरान सीआरपीएफ द्वारा राज्य पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय के साथ ये सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। सीआरपीएफ ने कहा कि सभी सुरक्षा दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन किया गया है और दिल्ली पुलिस ने भी सुरक्षा कर्मियों की पर्याप्त तैनाती की थी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर केसी वेणुगोपाल ने अमित शाह को चिट्ठी लिख कहा था कि दिल्ली पुलिस जानबूझकर राहुल को सही सुरक्षा मुहैया नहीं करवा रही। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया था राहुल की सुरक्षा में इसबार बड़ी चूक हुई और सुरक्षाकर्मी मूकदर्शक बनकर खड़े रहे। उन्होंने कहा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने ही आखिर में सुरक्षा घेरा बनाकर राहुल को सेफ किया।

योगी सरकार ने निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण को लेकर उच्चतम न्यायालय का रुख किया

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार ने शहरी स्थानीय निकाय चुनाव बिना ओबीसी आरक्षण के कराने संबंधी इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफबृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 27 दिसंबर को उत्तर प्रदेश सरकार की नगर निकाय चुनाव संबंधी मसौदा अधिसूचना को रद्द करते हुए राज्य में नगर निकाय चुनाव बिना ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण के कराने का आदेश दिया था। राज्य सरकार ने इस आदेश के खिलाफ अपनी अपील में कहा है कि उच्च न्यायालय पांच दिसंबर की मसौदा अधिसूचना को रद्द नहीं कर सकता है, जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के अलावा ओबीसी के लिए शहरी निकाय चुनावों में सीटों का आरक्षण प्रदान किया गया था। राज्य के लिए 'एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड' रुचिरा गोयल के माध्यम से दायर अपील में कहा गया है कि अन्य पिछड़ा वर्ग संवैधानिक रूप से संरक्षित वर्ग है और उच्च न्यायालय ने मसौदा अधिसूचना को रद्द करके गलती की है। उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने आदेश दिया था कि राज्य सरकार को चुनावों की अधिसूचना तत्काल देनी चाहिए क्योंकि कई नगरपालिकाओं का कार्यकाल 31 जनवरी तक समाप्त हो जाएगा।

2019 की तुलना में 2021 में सड़क हादसों में दर्ज की गई 8.1 फीसदी की कमी हालांकि मृत्युदर 1.9 फीसदी बढ़ी

–सन 2021 में 4.12 लाख सड़क होदसों में 1.53 लाख लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में सन 2021 में कुल 412432 सड़क दुर्घटनाएं हुईं जिनमें 153972 लोगों की जान चली गई जबकि 384448 लोग घायल हो गए। 'भारत में सड़क दुर्घटनाएं-2021' शीर्षक से प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया कि दुर्घटनाओं से संबंधित प्रमुख संकेतकों ने 2019 की तुलना में 2021 में बेहतर प्रदर्शन किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021 में 2019 की तुलना में सड़क दुर्घटनाओं में 8.1 प्रतिशत की और घायलों की संख्या में 14.8 प्रतिशत की कमी आई। हालांकि 2019 की समान अवधि की तुलना में 2021 में सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर में 1.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के मुताबिक 2020 में देश में दुर्घटनाओं उनसे संबंधित मौतों और घायलों की संख्या में अभूतपूर्व गिरावट देखने को मिली थी। यह कोविड-19 महामारी के असामान्य प्रकोप और विशेष रूप से मार्च-अप्रैल 2020 के दौरान इसके परिणामस्वरूप कड़े राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन और धीरे-धीरे 'अनलॉकिंग' और नियंत्रण उपायों को कम करने के बाद संभव हुआ।

रिपोर्ट एशिया प्रशांत सड़क दुर्घटना डेटा (एपीआरएडी) आधार परियोजना के तहत एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (यूएनईएससीएपी) द्वारा मानकीकृत प्रारूप में प्रदान किए गए कैलेंडर वर्ष के आधार पर एकत्रित राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के पुलिस विभागों से प्राप्त आंकड़ों/ सूचनाओं पर आधारित है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एंटनी के बयान पर भाजपा हमलवार बयान कांग्रेस की वोटबैंक राजनीति का कबूलनामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनमोहन सरकार में पूर्व केंद्रीय मंत्री एके एंटनी के बयान पर पार्टी की किरकिरी हो रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री एंटनी ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में बीजेपी को हराने के लिए अल्पसंख्यकों का साथ काफी नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री के अनुसार कांग्रेस को हिंदुओं को भी साथ लेकर चलना चाहिए। एंटनी ने कहा कि अगर लोग मंदिर जाते हैं तिलक या बिंदी लगाते हैं तब उन्हें सॉफ्ट हिंदुत्व लाइन पर चलने वाला कहा जाता है। एंटनी ने कहा कि भारत में बहुसंख्यक आबादी हिंदुओं की है और नरेंद्र मोदी के खिलाफ लड़ाई में बहुसंख्यक समाज को भी लगाना चाहिए। बीजेपी ने एंटनी के बयान को कांग्रेस की वोटबैंक राजनीति का कबूलनामा बताया है। पार्टी के कई नेताओं ने एंटनी का बयान साझा कर कांग्रेस और उसके पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा।

एंटनी ने यह बयान आगामी लोकसभा चुनाव के संदर्भ में दिया। 2014 में एंटनी के नेतृत्व में बने पैनल ने कांग्रेस की करारी हार का विश्लेषण किया था। कमिटी ने कथित रूप से पाया था कि चुनाव को सेक्युलरिज्म बनाम सांप्रदायिकता की लड़ाई बनाने से कांग्रेस की संभावनाओं पर असर पड़ा। कांग्रेस को प्रो-माइनॉरिटी करार दिया गया। एंटनी पहले भी केरल के भीतर अल्पसंख्यकों को तवज्जो मिलने के खिलाफ बोलते रहे हैं।

एंटनी के बयान को बीजेपी नेताओं ने हाथोंहाथ लिया। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इसे एंटनी का कबूलनामा करार दिया। उन्होंने कहा कि एंटनी ने कांग्रेस की वोटबैंक राजनीति की कलई खोल दी है। आंध्र प्रदेश बीजेपी के नेता विष्णु वर्धन रेड्डी ने राहुल गांधी को टैग कर कहा यह बतलाता है कि क्यों राहुल गांधी खुद के जनेऊधारी ब्राह्मण होने का दावा करते हैं। बीजेपी की आईटी सेल के मुखिया अमित मालवीय ने ट्वीट किया कि कांग्रेस के लिए भारतीय भारतीय नहीं हैं। वे बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक हिंदू और मुस्लिम में बंटे हैं। मालवीय ने कहा कि एंटनी के बयान से पता चलता है कि राहुल क्यों मंदिरों के चक्कर लगाते हैं? पूर्व केंद्रीय मंत्री एंटनी ने यह बयान कांग्रेस के 138वें स्थापना दिवस पर केरल के पार्टी मुख्यालय में आयोजित समारोह में दिया।

कांग्रेस मुक्त भारत संभव नहीं, महाराष्ट्र में बोले शरद पवार, हम इसके योगदान को नहीं भूल सकते

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने 23 साल पहले ग्रैंड ओल्ड पार्टी छोड़ने के बाद पहली बार पुणे में कांग्रेस कार्यालय का दौरा किया। पार्टी के स्थापना दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए यहां कांग्रेस भवन का दौरा करने के बाद उन्होंने कहा कि देश को 'कांग्रेस-मुक्त' नहीं बनाया जा सकता है क्योंकि इसके योगदान और विचारधारा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। कुछ लोग 'कांग्रेस मुक्त भारत' की मांग करते हैं, लेकिन देश को कांग्रेस मुक्त नहीं बनाया जा सकता, यह संभव नहीं है।

उन्होंने कहा, 'कांग्रेस की विचारधारा और योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नीतियों को लेकर मतभेद होंगे, लेकिन हम कांग्रेस पार्टी के साथ आगे बढ़ेंगे। पुणे जिले के एक युवा कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले पवार ने याद दिलाया कि वह 1958 में पहली बार कांग्रेस भवन गए थे। उन्होंने 1999 में पार्टी छोड़ दी और अपना अलग संगठन बनाया, हालांकि बाद में उन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'कांग्रेस के पास उस समय पुणे से कई नेता थे। यह पुणे का मतलब कांग्रेस और कांग्रेस का मतलब पुणे जैसा था।

पवार ने कहा कि भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद से पुणे में कांग्रेस भवन पार्टी का केंद्र था। महाराष्ट्र का प्रशासन इसी भवन से कार्य करता था। यहीं से कांग्रेस नेताओं ने (तत्कालीन प्रधानमंत्री) जवाहरलाल को मनाया इंदिरा गांधी के माध्यम से नेहरू, और संयुक्त महाराष्ट्र (मुंबई की राजधानी के साथ महाराष्ट्र) का गठन किया गया था।

रूसी पर्यटकों के जल्दबाजी में किए गए अंतिम संस्कार पर कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाए गए दो रूसियों के शवों का अंतिम संस्कार किए जाने के कुछ दिनों बाद कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने सवाल उठाए हैं। मनीष तिवारी ने ट्वीट किया जले हुए शव कोई कहानी नहीं बताते। उनमें से एक पुलिस के अनुसार एक स्ट्रोक से मर गया और उसका अंतिम संस्कार किया गया था।

तिवारी ने ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा रूसी कुलीन युद्ध आलोचक ऑफबीट होटल सुविधाजनक खिड़की गिरना मौत सहकर्मी की 2 दिन पहले मृत्यु हो गई वही होटल दोनों का भारत में अंतिम संस्कार किया गया ईसाई होने के कारण दफनाया नहीं गया शव रूस नहीं भेजे गए। अगर यह अप्राकृतिक नहीं है तो मैं लॉ स्कूल नहीं गया। तिवारी ने अपने ट्वीट में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को भी टैग किया है।

अलग-अलग परिस्थितियों में कुछ दिनों के भीतर ओडिशा के रायगडा के एक होटल में दो रूसी पुरुषों की मौत रहस्य के घेरे में है। राज्य के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने सीआईडी जांच का आदेश दिया है जबकि रूसी दूतावास ने कहा कि पुलिस को कोई आपराधिक पहलू नहीं मिला है। रूसी दूतावास के अनुसार कोलकाता में रूस का महावाणिज्य दूतावास स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में मामले की निगरानी कर रहा है। पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार कोई आपराधिक पहलू नहीं देखा गया है।

राम कथा हमारे धर्म और शास्त्रों को जीवंत रखती है : मेनका गांधी

सुल्तानपुर (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद मेनका गांधी ने कहा कि रामकथा हमारे धर्म और शास्त्रों को जीवंत रखती है। अपने तीन दिवसीय दौरे के पहले दिन बुधवार को सुल्तानपुर के बढ़ैयावीर में आयोजित श्री रामकथा महोत्सव एवं विष्णु महायज्ञ में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मेनका गांधी ने कहा कि रामकथा हमारे धर्म और शास्त्रों को जीवंत रखती है।

उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम एक राजा ही रह जाते अगर वह अपने जीवन में दो कार्य नहीं करते। इसे स्पष्ट करते हुए मेनका गांधी ने कहा कि राम ने अपने पिता दशरथ और माता कैकई की बात बिना झिझक के स्वीकार कर खुशी-खुशी 14 साल के वनवास चले गए जिससे उसी दिन वह मर्यादा पुरुषोत्तम राम बन गए। भाजपा सांसद ने कहा श्रीराम ने 14 साल के वनवास के दौरान बहुत सारे लोगों की मदद की जिससे उनकी प्रभुता बन गई और वे भगवान बन गए। ऐसे ही तो भगवान बनते हैं।

मेनका गांधी ने कहा हमारे बहुत से नौजवान हैं जिन्हें हम पहचानते नहीं लेकिन वे अपने मां-बाप का कहना मानकर गरीबों और हर जीव की मदद करते हैं जिससे उनमें भी तो प्रभुता आ जाती है। मुझे पूरा यकीन है कि सुल्तानपुर में बहुत से ऐसे लोग होंगे। भाजपा सांसद के प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ने बताया कि मेनका गांधी ने गुरुवार सुबह जनता दरबार में लोगों की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण किया।

राष्ट्रपति मुर्मू पीएम मोदी व गृहमंत्री अमित शाह ने दी गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व देश भर में श्रद्धा और भक्तिपूर्वक मनाया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व की देशवासियों को शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति मुर्मू ने ट्वीट कर कहा गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। खालसा पंथ के संस्थापक 'सरबंस दान' गुरु गोबिंद सिंह ने हमेशा समानता और न्याय के लिए लड़ाई लड़ी। मानवता की सेवा के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता हमें निरंतर प्रेरित करती है।

पीएम मोदी ने ट्वीट किया उनके प्रकाश पर्व के पवित्र अवसर पर मैं श्री गुरु गोबिंद सिंह जी को नमन करता हूं और मानवता की सेवा में उनके योगदान को याद करता हूं। उनका अद्वितीय साहस आने वाले वर्षों में लोगों को प्रेरित करता रहेगा।

गृहमंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर कहा सिखों के दसवें गुरु व खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर उनका स्मरण कर उन्हें नमन करता हूँ। धर्म व मानवता की रक्षा हेतु जिस बहादुरी से उन्होंने आक्रांताओं से लोहा लिया वह प्रेरणीय है। उनका त्याग बलिदान व शिक्षाएँ सदैव हमारा मार्गदर्शन करती रहेंगी।

ईरान में खुदाई के दौरान मिला मंदिर, खोजकर्ताओं को ऐतिहासिक साइट पर मिले अवशेष

तेहरान। ईरान में खुदाई के दौरान पुरातत्वविदों को एक प्राचीन मंदिर के अवशेष मिले है। इन अवशेषों के मिलने से जानकार काफी हैरान हैं। ईरान में मंदिर के अवशेष मिलने से यहां की सभ्यता और समाज को लेकर काफी अहम जानकारी सामने आ सकती है। शुरुआती पड़ताल में सामने आया है कि ये अवशेष ससनीद साम्राज्य के हो सकते है। बता दें कि उत्तर पूर्वी ईरान में पुरातत्विदों को खुदाई के दौरान प्राचीन मंदिर के अवशेष मिले है। मंदिर के अवशेष मिलने से पुरातत्विद काफी खुश हैं। टीम इस मंदिर के अवशेष मिलने से काफी हैरान भी है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक ये खोज काफी खास है। ईरान जैसे मुस्लिम मुल्क में मंदिर के अवशेष मिलने से यहां के इतिहास की नई जानकारी सामने आ सकती है। पुरातत्विद इसे इतिहास का नया अध्याय बता रहे है। जानकारी के मुताबिक ईरान की एक साइट पर ये खुदाई की जा रही है। इस खुदाई कर रही टीम के सदस्य पुरातत्वविद मीसम लब्बाफ खानिकी ने मीडिया को बताया कि विभाग उत्तरी पूर्व ईरान के एक गांव के पास योजना के मुताबिक खुदाई कर रहा था। इस खुदाई के दौरान टीम को बड़ी सफलता मिली है। यहा ससनीद साम्राज्य के मंदिर के अवशेष मिले है। संभावना है कि ये अग्नि मंदिर है। इसके साथ ही खुदाई में कुछ चित्रकला संबंधित चीजे मिली है। इसमें जिओमेट्रिक प्लांट से सजे प्लास्टरवर्क के टुकड़े खुदाई में मिले है। ये भी कहा जा रहा है कि ये साइट धार्मिक तौर पर काफी अहम साबित हो गई है।

ये जानकारी भी आई सामने

खुदाई में मंदिर मिलने के बाद संभावना जताई जा रही है कि अग्नि मंदिर अपने समय में हीपोस्टाइल हॉल युक्त रहा होगा। इस मंदिर में कई तरह की नक्काशी की गई होगी। बता दें कि वर्ष 2014 से ही ससनीद साम्राज्य की स्टडी शुरू हुई है जिसकी जांच भी हो रही है।

जानें ससनीद साम्राज्य के बार में

ईरान में ससनीद साम्राज्य में पहलवी में काम किया जाता था। पहलवी इस ससनीद साम्राज्य की भाषा मानी जाती है। इस भाषा का उपयोग आमतौर पर इस समाज के लोग ही करते थे।

सामूहिक दुष्कर्म के बाद हैवानों ने हिंदू महिला का सिर कलम किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार के मामले थम नहीं रहे हैं। सिंध प्रांत में एक महिला के साथ हैवानियत का मामला सामने आया है। यहां एक 42 वर्षीय भील महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और बाद में बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। मृतका की पहचान दया भील के रूप में की गई है। जानकारी के मुताबिक कुछ दरिंदों ने पहले दया को अपनी हवस का शिकार बनाया। बाद में वहशियों ने उसका सिर तन से अलग कर दिया और स्तन भी काट दिए। इसके बाद महिला की लाश को खेत में फेंक दिया। बताया जा रहा है कि लाश को ठिकाने लगाने से पहले उसके सिर की खाल भी उधेड़ दी थी। इस वारदात के बाद सिंध की सांसद कृष्णा कुमारी ने पीड़िता के घर पहुंचीं। सांसद ने कहा विधवा दया की बेरहमी से हत्या कर दी गई और शव बहुत बुरी हालत में मिला। सिर धड़ से अलग कर दिया गया था। दरिंदों ने पूरे सिर का मांस नोच डाला था। यह घटना सिंध के संघर जिले के सिंझोरे की है। इस मामले में अब तक कोई केस दर्ज नहीं किया गया है।

फिलीपीन में भारी बारिश और बाढ़ से 32 लोगों की मौत

मनीला। फिलीपीन में भारी बारिश और बाढ़ संबंधी घटनाओं में करीब 32 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 24 अन्य लापता हैं। आपदा संबंधी राष्ट्रीय एजेंसी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पूर्वी, मध्य और दक्षिणी फिलीपीन में खराब मौसम के कारण क्रिसमस का जश्न फीका पड़ गया। वहां 56,000 से अधिक लोग अब भी आपातकालीन आश्रयों में हैं। दक्षिणी प्रांत मिसामिस ऑक्सिडेंटल से कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें बचाव कर्मी एक प्लास्टिक की कुर्सी पर एक बुजुर्ग महिला को ले जाते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों में बचाव कर्मी कुछ लोगों को रस्सी की मदद से बाढ़ ग्रस्त इलाके से बाहर खींचते भी दिखाई दे रहे हैं। 'नेशनल डिज़ास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट काउंसिल' के अनुसार, जान गंवाने वाले 32 लोगों में से 18 उत्तरी मिंडानाओ के थे, जबकि लापता 24 में से 22 लोग मध्य फिलीपीन तथा पूर्वी बिकोल क्षेत्र के पूर्वी विसाया से ताल्लुक रखते हैं। अधिकतर लोगों की मौत डूबने की वजह से हुई और लापता लोगों में ज्यादातर मछुआरे हैं, जिनकी नौकाएं पलट गईं। एजेंसी के मुताबिक, बाढ़ के कारण चार हजार से अधिक मकानों के साथ-साथ सड़क व पुल भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। कई इलाकों में बिजली व पेयजल की आपूर्ति ठप पड़ गई है। मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 24 घंटों में बाढ़ से प्रभावित कुछ इलाकों में हल्की से भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है।

कंबोडिया के होटल कसीनो में भीषण आग से 10 लोगों की मौत

नोम पेन्ह। कंबोडिया में थाईलैंड से सटी सीमा के पास एक होटल कसीनो में बुधवार आधी रात को भीषण आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया में प्रकाशित खबर से यह जानकारी मिली है। थेमी थेमी मीडिया समूह की वेबसाइट 'कंबोडियानेस' की खबर के अनुसार, सीमावर्ती शहर पोईपेटी में ग्रैंड डायमंड कसीनो एंड होटल में बुधवार आधी रात को आग लग गई और बृहस्पतिवार सुबह तक इस पर काबू नहीं पाया जा सका था। खबर में बंटेय मीनचे प्रांत के पुलिस आयुक्त मेजर जनरल सिथि लोह के हवाले से कहा गया है कि शुरुआती सूचना के मुताबिक घटना में कम से कम 10 लोग मारे गए हैं, जबकि 30 अन्य घायल हुए हैं।

एरिजोना में जमी हुई झील में गिरने से तीन भारतीय-अमेरिकियों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के एरिजोना में एक घटना में एक महिला सहित भारतीय मूल के तीन नागरिकों की जमी हुई झील में गिरने से मौत हो गई। हादसा 26 दिसंबर को अपराह्न तीन बजकर 35 मिनट पर कोकोनीनो काउंटी में वुड्स घाटी झील में हुआ। कोकोनीनो काउंटी के शेरिफ के कार्यालय (सीसीएसओ) ने मंगलवार को एक बयान में बताया, ''झील में गिरकर मरने वाले लोगों की पहचान नारायण मुद्दन (49), गोकुल मेदिसेती (47) और हरिता मुड्डाना के तौर पर हुई है। तीनों एरिजोना के चैंडलर के रहने वाले थे और मूल रूप से भारतीय थे।'' चैंडलर, फीनिक्स का एक उपनगर है। क्रिसमस के एक दिन बाद, तीन परिवार - जिनमें छह वयस्क और पांच बच्चे शामिल थे - बर्फीली सड़क का आनंद लेने के लिए घाटी से बाहर निकले थे। शेरिफ कार्यालय ने कहा, ''वे बर्फ पर कुछ तस्वीरें लेना चाहते थे।'' कार्यालय ने बताया कि बर्फ पर तस्वीर लेने के दौरान, तीन व्यक्ति जमी हुई झील में गिर गये। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने हरिता को बाहर निकाल लिया था, लेकिन उसे बचा नहीं पाए और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। तीनोंके शव बरामद हो गए हैं। सीसीएसओ के अधिकारियों की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, ''दो पुरुषों और एक महिला के जमी हुई झील पर चलने के दौरान बर्फ के टूट जाने से उसमें गिर जाने के बाद क्षेत्र के एक सबस्टेशन पर तैनात कर्मियों को मौके पर बुलाया गया था।'' अमेरिका और कनाडा में 10 लाख से अधिक लोग भीषण सर्दी का सामना कर रहे हैं। क्यूबेक से टेक्सास तक 3,200 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में बर्फीले तूफान का कहर है, जिससे कई लोग परेशानियों से जूझ रहे हैं। तूफान संबंधी घटनाओं में अब तक कम से कम 19 लोगों की मौत हो चुकी है। तूफान से जूझ रहे शहर बफेलो ने बर्फबारी का सामना करने के लिए कमर कस ली है। अधिकारियों ने कहा कि पश्चिमी न्यूयॉर्क में शुक्रवार और शनिवार को आए बर्फीले तूफान से अब तक 30 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। वर्ष 1977 केबर्फ़ीले तूफान से 29 लोगों की हुई थी।

बफेला (अमेरिका) में भारी बर्फबारी के बाद एक पार्किंग स्थल में बर्फ से ढ़कीं कारें।

8 जनवरी से कोरोना यात्रा प्रतिबंधों को हटाने की तैयारी सीएएसी ने किया ऐलान

हांगकांग। चीन के नागरिक उड्डयन प्रशासन (सीएएसी) ने 8 जनवरी से कोरोना यात्रा प्रतिबंधों को हटाने की घोषणा की है इसके बाद विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह दुनिया के लिए सबसे खराब स्थिति हो सकती है क्योंकि देश के अस्पताल अभी भी कोविड संक्रमितों से भरे हुए हैं। कोविड बढ़ोतरी के बीच चीन की यात्रा फिर से शुरू करने के लिए एयर कैरियर्स ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। मुख्य अर्थशास्त्री डैन वांग ने बताया अंतर्राष्ट्रीय यात्रा में वृद्धि होने की संभावना है फिर भी पूर्व-महामारी के स्तर पर लौटने में कई और महीने लग सकते हैं। उन्होंने उल्लेख किया कोविड अभी भी चीन के अधिकांश हिस्सों में फैल रहा है। उत्पादकता में कमी महत्वपूर्ण है और आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति के दबाव तीव्र हो सकते हैं क्योंकि मांग में अचानक वृद्धि आपूर्ति में सुधार को पीछे छोड़ देगी। रिपोर्ट के अनुसार इसके अलावा चीनी और विदेशी एयरलाइंस द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार निर्धारित यात्री उड़ानों की व्यवस्था करेंगी। चीनी सरकार ने कोरोना के प्रबंधन को शीर्ष स्तर के क्लास ए से घटाकर क्लास बी कर दिया है और 8 जनवरी से आने वाले यात्रियों के लिए क्वारंटाइन आवश्यकताओं को रद्द कर दिया है।

कोरोना से संक्रमित पाए गए चीन से इटली के मिलान पहुंचीं फ्लाइट के आधे से अधिक यात्री

रोम (एजेंसी)। इटली दुनिया का वह देश है जहां 2020 में चीन से निकले कोरोना वायरस ने सबसे पहले दस्तक दी थी। अब जबकि चीन में फिर से कोरोना के मामले चिंताजनक रूप से बढ़ रहे हैं तो इस देश से फिर डराने वाली खबर मिली है। चीन से इटली के मिलान पहुंची दो फ्लाइट्स में आधे से ज्यादा यात्री कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इसके बाद इटली ने चीन से आने वाले यात्रियों का आरटीपीसीआर टेस्ट अनिवार्य कर दिया है। चीन में कोविड-19 के बीएफ7 वैरियंट की सुनामी आई है।

चीन के अस्पतालों में मरीजों की भीड़ है और शवदाह गृह के बाहर लाशों का ढेर लगा हुआ है। इस स्थिति के बाद भी उसका यह फैसला ऐसे समय में दुनिया पर भारी पड़ सकता है जब कई देशों में हालात नियंत्रित हैं और जिंदगी सामान्य होती नजर आ रही है। मार्च 2020 से चीन ने अपनी सीमाओं को बंद किया हुआ था। चीन ने अपनी सीमाओं को खोल दिया है। इस फैसले के बीच ही चीन से दो फ्लाइट्स मिलान पहुंची हैं। इसमें से एक फ्लाइट में आधे से ज्यादा कोरोना संक्रमित लोग पाए गए हैं।

लोम्बार्डी के रीजनल काउंसिल गुइडो बर्टोलासो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पहली फ्लाइट्स में 92 में से 35 और दूसरी फ्लाइट में 120 में से 62 यात्री कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। इस खबर के बीच अमेरिका वह पांचवा देश है जिसने चीन से आने वाले यात्रियों पर प्रतिबंध लगाए हैं। चीन ने एक बार फिर से साधारण पासपोर्ट्स और वीजा जारी करने शुरू कर दिए हैं। तीन साल पहले जब कोविड की शुरुआत हुई थी तो उसने इस प्रक्रिया को प्रतिबंधित कर दिया था। चीन प्रशासित हांगकांग ने भी पिछले दिनों उन लोगों के लिए क्वारंटाइन नियमों को खत्म कर दिया है जो कोविड पॉजिटिव हैं। चीन ने ऐलान किया है आठ जनवरी से उसके नागरिक लूनर न्यू ईयर के मौके पर होने वाली छुट्टियों के मौके पर विदेश घूमने जा सकते हैं। साल 2020 के बाद यह पहला मौका है जब चीनी नागरिक विदेश घूमने जा सकेंगे।चीनी नागरिक जापान थाईलैंड दक्षिण कोरिया अमेरिका ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया इन छुट्टियों पर जाने की तैयारियां कर रहे हैं। इस बात का डर सताने लगा है कि साल 2020 में कोविड की पहली लहर के समय जो स्थिति थी वही दोबारा न हो जाए। कई लोगों को डर है कि चीनी पर्यटक इटली में फिर से कोरोना फैलने की वजह न बन जाए। अमेरिका इटली जापान भारत और ताइवान ने चीनी पर्यटकों के लिए टेस्ट अनिवार्य कर दिया है। अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक चीन से आने वाले पर्यटक बिना टेस्ट के आगे नहीं बढ़ सकते हैं। पांच जनवरी से दो साल के बच्चे से लेकर हर हवाई यात्री का कोविड टेस्ट अनिवार्य होगा। चीन हांगकांग और मकाओ से आने वाले यात्रियों को यह टेस्ट कराना होगा।

भारत के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाएगा साइप्रस जयशंकर की यात्रा के दौरान होंगे कई समझौतों पर हस्ताक्षर

निकोसिया। भूमध्य सागर में तुर्की की दादागिरी से परेशान साइप्रस भारत के साथ रक्षा समेत कई करार करके उसे कड़ा संदेश देने जा रहा है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर गुरुवार को साइप्रस पहुंचे हैं जहां रक्षा के साथ आव्रजन को लेकर कई समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। साइप्रस तुर्की की दुखती रग है और भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर पाकिस्तान के इशारे पर कश्मीर और भारत को लेकर जहर उगलने वाले तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन को करारा जवाब देंगे। साइप्रस और तुर्की के बीच भूमध्यसागर की प्राकृतिक संपदा और क्षेत्र को लेकर लंबे समय से विवाद रहा है। माना जा रहा है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बातचीत के दौरान तुर्की के साथ विवाद पर बातचीत हो सकती है। जयशंकर और साइप्रस के बीच रक्षा और सैन्य सहयोग पर खासतौर पर सहमति पत्र पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। इसके अलावा ऊर्जा के क्षेत्र में भी समझौता होने के आसार हैं। भारत और साइप्रस के बीच द्विपक्षीय व्यापार 21 करोड़ 40 लाख डॉलर है। इसे आव्रजन समझौता करके और बढ़ाने की तैयारी है। साइप्रस के विदेश मंत्रालय ने जयशंकर की इस यात्रा को बहुत महत्वपूर्ण यात्रा करार दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा क्षेत्रीय ढांचे में भारत की भागीदारी पर विचार किया जाएगा। साइप्रस के विदेश मंत्री इओन्निस भारतीय विदेश मंत्री को तुर्की की नीतियों के बारे में बताएंगे। इसमें खासतौर पर उन नीतियों के बारे में बताया जाएगा जो साइप्रस के लिए संकट बन रही हैं। साइप्रस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उनका देश भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता दिलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

विदेशी दौरों में शराब और सेक्स में डूब जाते हैं ब्रिटेन के सांसद पीएम ऋषि सुनक ने जताई चिंता

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक इन दिनों अपने सांसदों को लेकर खासे परेशान हैं। पिछले दिनों पीएम सुनक ने कुछ सांसदों के व्यवहार पर खासी चिंता जताई है। ये वे सांसद हैं जिन्हें संसद की तरफ से विदेशी दौरे पर भेजा जाता है। पीएम सुनक की परेशानी यह है कि सांसद दौरों पर न केवल जमकर शराब पीते हैं बल्कि सेक्स में भी शामिल होते हैं।

पिछले दिनों मीडिया रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया था कि कैसे ब्रिटिश सांसद अपने होटल के कमरों में सेक्स वर्कर्स से मिलते हैं। साथ ही संसदीय दौरे पर वह बेहिसाब शराब भी पीते हैं। सुनक ने पिछले दिनों आई मीडिया की इसी रिपोर्ट के बाबत प्रतिक्रिया दी और चिंता जाहिर की। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि सरकारी आंकड़ों में यह बात सामने आई है कि विदेशी दौरों पर ब्रिटिश सांसद और उनके समकक्ष सेक्स और शराब के भारी नशे में डूबे रहते हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि इन सांसदों के इस गलत बर्ताव का प्रयोग उनके ही खिलाफ आपत्तिजनक साक्ष्य के तौर पर किया जा सकता है। पीएम के डिप्टी आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि सर्वदलीय संसदीय समूहों (एपीपीजीज) द्वारा की गई यात्राओं की निगरानी संसद का मामला था। लेकिन कुछ सांसदों के बर्ताव पर चिंता जाहिर की गई है।

एपीपीजीज सांसदों और साथियों का अनौपचारिक क्रॉस-पार्टी निकाय है जो कुछ विषयों पर स्टडी करता है। इस समय करीब 700 एपीपीजीज हैं जो कुछ खास विषयों में एक अभियान को लीड कर रहे हैं। करीब 130 ऐसे हैं जिनके पास कुछ खास देशों के मसले हैं। यही हर सांसद के दौरे का खर्चा उठाते हैं। एपीपीजीज के कामकाज को लेकर काफी पहले से चिंताएं जताई गई हैं।

इस ग्रुप की तरफ से सांसदों के हर विदेशी दौरे का खर्च उठाया जाता है। जबकि विदेशी सरकारें सांसदों के रुकने का प्रबंध करती हैं। पीएम के प्रवक्ता की मानें तो सांसदों के बर्ताव पर आने वाली कुछ रिपोर्ट्स वाकई चिंताजनक है। पीएम का मानन है कि सांसदों को जनता के जीवन को बेहतर करने के प्रयास करने चाहिए। उन पर जनता से जुड़े मसलों को सुलझाने की जिम्मेदारी है। ऐसे में इस तरह की रिपोर्ट वाकई चिंताजनक है।

खाते में गलती से आए पैसे नहीं लौटने पर भारतीय व्यक्ति को उतना ही जुर्माना अदा करने की जेल

दुबई (एजेंसी)। दुबई की अदालत ने एक भारतीय व्यक्ति को उसके बैंक खाते में गलती से जमा हुए 1.2 करोड़ रुपये नहीं लौटाने पर एक महीने की जेल की सजा सुनाई है। रिपोर्ट के अनुसार दुबई क्रिमिनल कोर्ट ने उस भारतीय व्यक्ति को इतनी ही राशि का जुर्माना अदा करने और सजा पूरी होने के बाद व्यक्ति को निर्वासित करने का आदेश दिया। दोषी ने अदालत को बताया कि उस पैसे ट्रांसफर होने की सूचना मिली लेकिन यह जानकारी नहीं थी कि पैसा कहां से आया। उस पैसे से मैंने अपने किराए और खर्चों का भुगतान किया।

रिपोर्ट में व्यक्ति के हवाले से बताया गया कि एक कंपनी ने मुझसे पैसे वापस करने के लिए कहा लेकिन मैंने इनकार कर दिया क्योंकि मैं अनिश्चित था कि पैसा उसका है या नहीं। पैसा एक मेडिकल ट्रेडिंग कंपनी द्वारा स्थानांतरित किया गया था। मेडिकल ट्रेडिंग कंपनी के एक अधिकारी ने अदालत को बताया कि गलती से पैसा कंपनी के खाते के समान दूसरे खाते में जमा हो गया। आरोपी द्वारा पैसा वापस करने से इनकार करने पर कंपनी ने घटना की सूचना पुलिस स्टेशन को दी। दुबई पब्लिक प्रॉसिक्यूशन ने उन पर अवैध रूप से धन प्राप्त करने का आरोप लगाया। दोषी ठहराए गए शख्स ने फैसले के खिलाफ अपील की हैं इसकी अगले महीने सुनवाई होने की उम्मीद है।

पाकिस्तान हमें खुद को सौंप दे तो भी नहीं लेंगे उसका लोन कौन चुकाएगा

-तालिबान नेता ने उड़ाया पाकिस्तान की आर्थिक कंगाली का मजाक

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बदहाली के दौर से गुजर रही है और देश के डिफाल्ट होने का खतरा बढ़ता जा रहा है। हालत यह है कि पाकिस्तान की सरकार को अमेरिका स्थित अपने दूतावास की इमारतों को बेचना पड़ रहा है। पाकिस्तान लगातार चीन सऊदी अरब और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष से कर्ज ले रहा है लेकिन सेना पर बहुत ज्यादा खर्च करने के कारण उसे बजट घाटा झेलना पड़ रहा है। अब पाकिस्तान की इस बदहाली का उसके दोस्त से दुश्मन बने तालिबान ने भी बड़ा मजाक उड़ाया है।

सोशल मीडिया में वायरल हो रहे एक वीडियो में तालिबानी सेना के अधिकारी जनरल मोबिन खान से सवाल किया जाता है कि क्या आप पाकिस्तान की सीमा को पार कर रहे हैं। इस पर जनरल मोबिन ने जवाब दिया पाकिस्तान को अगर उन्होंने हमें खुद ही दे भी दिया तो हम नहीं लेंगे। उनका कर्जा कौन चुकाएगा। तालिबानी कमांडर ने कंगाल पाकिस्तान का यह मजाक ऐसे समय पर उड़ाया है जब दोनों के बीच सीमा पर कई बार भीषण संघर्ष हो चुका है जिसमें दोनों ही पक्षों के कई लोग मारे गए हैं।

पिछले दिनों पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान के अंदर हवाई हमला कर दिया था। तालिबान और पाकिस्तान के बीच सीमा विवाद चल रहा है। पाकिस्तान की सेना सीमा पर बाड़ लगाना चाहती है लेकिन तालिबानी इसका विरोध कर रहे हैं। तालिबान डूरंड लाइन को भी नहीं मान रहे हैं और पाकिस्तान के पेशावर शहर तक अपना दावा ठोक रहे हैं। यही नहीं तालिबान के राज में टीटीपी आतंकी भी अफगानिस्तान से पाकिस्तानी सेना पर भीषण हमले कर रहे हैं। टीटीपी के खिलाफ अब पाकिस्तानी सेना सैन्य कार्रवाई करने जा रही है।

पाकिस्तान इस समय डिफाल्ट होने की कगार पर पहुंच गया है। पाकिस्तान के पूर्व वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल ने जोर देकर कहा है कि देश के डिफाल्ट होने का खतरा बहुत बढ़ गया है। उन्होंने शहबाज सरकार से अपील की है कि वह अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए कदम उठाएं। उन्होंने सलाह दी कि शहबाज सरकार आईएमएफ और विश्वबैंक से तत्काल संपर्क करे। पाकिस्तान को 31 अरब डॉलर का कर्ज लौटाना है।

लावरोव का अल्टीमेटम ठुकराने के बाद रूसी सेना ने यूक्रेन ने शहरों पर बरसाईं सौ से अधिक मिसाइलें बड़े स्तर पर मचाई तबाही

कीव (एजेंसी)। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के अल्टीमेटम को यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के खारिज करने के बाद रूसी सेना ने गुरुवार को यूक्रेन पर ताबड़तोड़ हमला कर 100 से अधिक मिसाइलें दागकर भारी तबाही मचाई। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के सलाहकार ओलेकसी ने बताया कि रूस ने देश के कई शहरों को अपनी मिसाइलों से निशाना बनाया है। रूसी मिसाइलों ने राजधानी कीव को भी निशाने पर लिया। रूसी मिसाइलों की बौछार के आगे अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम कमजोर साबित हुआ।

ओलेकसी ने कहा रूस की ओर से भीषण हवाई हमला किया गया। 100 से ज्यादा मिसाइलों की बारिश की गई। कीव के अलावा झयतोमयर और ओडेसा में भी जोरदार धमाके सुने गए। कई शहरों में बिजली काट दी गई। इससे पहले यूक्रेन ने लावरोव के अल्टीमेटम के जवाब में एक शांति योजना दी थी। यूक्रेन की इस योजना को रूस ने खारिज कर दिया था। रूस ने कहा कि जेलेंस्की रूस की ओर से यूक्रेन के 4 अलग किए गए हिस्सों के सत्य को स्वीकार कर लें।

इस बीच यूक्रेन में अधिकारियों ने कहा कि देश की राजधानी कीव समेत अनेक क्षेत्र गुरुवार को रूस के मिसाइल हमले का सामना कर रहे हैं। देश के कई क्षेत्रों में गुरुवार तड़के हवाई हमले की प्रति चौकन्ने करने वाले सायरन बजने लगे। कीव में क्षेत्रीय प्रशासन ने कहा कि जारी मिसाइल हमले से बचाव के लिए वायु रक्षा प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया है। कीव में कई विस्फोटों की आवाज सुनी गयी। विभिन्न क्षेत्रों में यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि कुछ रूसी मिसाइलों को मार गिराया गया।

यूक्रेन के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर रूसी हमलों की कड़ी में गुरुवार का हमला ताजा है। मॉस्को अक्टूबर से हर सप्ताह इस तरह के हमले कर रहा है। इस बीच यूक्रेन ने करीब 1400 ड्रोन खरीदे हैं जिनमें से ज्यादातर टोही हैं जबकि कई ड्रोन को लड़ाकू मॉडल के रूप में विकसित करने की योजना है ताकि रूसी सेना द्वारा आक्रमण के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रोन को मार गिराया जा सके। यूक्रेन के प्रौद्योगिकी मंत्री ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के डिजिटल प्रौद्योगिकी मंत्री मिखाइलो फेदेरोव ने यूक्रेन-रूस युद्ध को इंटरनेट युग का पहला बड़ा युद्ध बताया। उन्होंने संघर्ष को बदलने के लिए एलन मस्क के स्टारलिंक जैसे ड्रोन और सैटेलाइट इंटरनेट प्रणाली को इसका श्रेय दिया।

संपादकीय

चीन ने चौंकाया

अपनी कठोर जीरो टॉलरेंस नीति के लिये कुख्यात रहे चीन ने कोरोना विस्फोट के बीच हाल ही में जो घोषणाएं की हैं उसने पूरी दुनिया को चौंकाया है। ऐसे वक्त में जब गैर सरकारी सूत्रों के हवाले से कुछ ही दिनों में करोड़ों लोगों के संक्रमित होने की खबरें आ रही हैं, चीन सरकार के हालिया फैसले हैरत में डालते हैं। दरअसल, कठोर कोविड नीति के खिलाफ उग्र आंदोलन के बाद राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आंदोलन के दमन के बजाय कोविड नीतियों में ढील देने का विकल्प चुना। शायद वे इस आंदोलन को हवा नहीं देना चाहते थे। दरअसल, चीन की जनता करीब तीन साल के सख्त प्रतिबंधों से उकता गई थी। वहां लोग सामान्य जीवन के लिये तरस रहे थे। वहीं जीविका का बड़ा संकट भी पैदा हो गया। वैश्विक विरोध और विषम आर्थिक परिस्थितियों के चलते चीन बड़े आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। बड़े उद्योग चीन से बाहर जा रहे हैं। ऐसे में चीन की सरकार को लगता है कि सख्त कोविड नीतियों से एक तो कोरोना को हराया नहीं जा सका, वहीं कारोबार के क्षेत्र में भारी क्षति उठानी पड़ रही है। यही वजह है कि शी जिनपिंग सरकार ने अपनी कठोर नीतियों में अप्रत्याशित बदलाव किया है। चीन ने कोरोना के उफान के बीच घोषणा की है कि वह 8 जनवरी से अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिये तमाम अवरोधों को समाप्त कर देगा। चीन तीन साल से बंद अपनी अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं खोल देगा। इतना ही नहीं विदेशों से आने वाले यात्रियों को क्वारंटाइन की अनिवार्यता से छूट भी देगा। यहां तक कि चीन ने कोरोना संक्रमण के दैनिक मामलों की घोषणा करनी भी बंद कर दी है ताकि देश-विदेश में चीन को लेकर भय का वातावरण न बने। इतना ही नहीं, कोविड प्रबंधन के नये नियमों के साथ अगले माह से कोविड संकट के वर्ग को डाउनग्रेड कर दिया जाएगा। अब यह डेंगू बुखार जैसी कम गंभीर श्रेणियों में रहेगा।

कुल मिलाकर चीन ने तय कर लिया है कि 'जान के साथ जहान' की नीति का अनुसरण किया जायेगा। जब कोरोना संकट के बाद सख्त प्रतिबंधों के बावजूद यह संकट टला नहीं तो चीन को अपना आर्थिक साम्राज्य दरकने की चिंता सताने लगी। वहीं देश के भीतर भी सख्त नियमों से दुखी लोग सड़कों पर उतर आए। तभी चीनी सरकार ने कोरोना के भय को खत्म करने लिये न केवल सख्त नियमों में छूट दे दी, बल्कि साथ ही विदेशी व्यापार के अनुकूल स्थितियां बनाने की तैयारी शुरू की। कारोबारी कंपनियों ने भी चीन सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। विदेशी फर्मों का मानना है कि मंदी से पस्त व्यावसायिक गतिविधियों को पुनर्जीवित करने के लिये विदेशी यात्रियों का आगमन सुगम बनाना स्वागत योग्य है। दरअसल, अब तक कोविड पर जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते विदेश से आने वाले यात्री को अनिवार्य रूप से दो सप्ताह तक सरकारी आवास में क्वारंटाइन में रहना पड़ता था। जिसे बाद में पांच व तीन दिन कर दिया गया। यह फैसला ऐसे वक्त में आया है जब चीन के भीतर सरकार की सख्त नीतियों के खिलाफ व्यापक आक्रोश पैदा हो रहा था। हालांकि, ढील के बाद चीन में कोरोना विस्फोट की स्थिति पैदा हो गई है। सरकार को भी लगता है जब तक चीन में हर्ड इम्यूनिटी नहीं आ जाती तब तक किसी तरह के प्रतिबंधों का कोई असर नहीं होगा। यही वजह है कि ओमिक्रॉन के नये वेरिएंट को लेकर चीन सरकार की नीतियां लचीली हुई हैं। चीन सरकार मानती है कि यह नया वेरिएंट डेल्टा स्ट्रेन जितना घातक नहीं है, जिससे दुनिया में बड़ी संख्या में मौतें हुई थीं। बहरहाल, चीन में कोरोना प्रसार की मौजूदा विकट स्थितियां भारतीयों के लिये भी सबक है कि भले ही भारत में स्थितियां पहले जैसी विकट न हों, लेकिन फिर भी नये साल के जश्न के दौरान कोरोना से जुड़ी सावधानियों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाना चाहिए। यही वजह कि मंगलवार को देशभर के स्वास्थ्य केंद्रों में मॉक ड्रिल के जरिये जनता के भरोसे को बढ़ाने का प्रयास किया गया।

हाड़ कंपाती ठंड

भारत सहित दुनिया के कई देश इन दिनों कड़ाके की ठंड से कांप रहे हैं। भारत का उत्तरी भाग तो जबरदस्त शीत लहर का सामना कर रहा है। जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान में तो कई स्थानों में रात का तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस के आसपास चल रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में तो न्यूनतम तापमान नैनीताल और धर्मशाला से भी नीचे चल रहा है। मंगलवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री रहा तो नैनीताल में यह 7.2 डिग्री और धर्मशाला में 6.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। कड़ाके की ठंड और कोहरे ने जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। फ्लाइट और ट्रेनों पर असर पड़ना शुरू हो गया है। मौसम विभाग ने दो जनवरी तक मौसम के ऐसे ही हालात बने रहने की चेतावनी दी है। न केवल भारत, बल्कि दुनिया के कई अन्य देश भी इन दिनों मौसम का कहर झेल रहे हैं। अमेरिका समेत कई देश तो बुरी तरह हलकान हैं, बर्फीले तूफानों का सामना कर रहे हैं। वहां कई शहरों में लोगों का घर से निकलना तक दूभर हो गया है। तूफानों ने 30 से अधिक लोगों की जान ले ली है। अनेक राजमार्गों पर बर्फ की कई इंच मोटी परत बिछ चुकी है। भारत में भी गुलमर्ग और लाहौल स्पीति के ऊंचाई वाले हिस्से बर्फ की चादर ओढ़ चुके हैं। मौसम का यह रूप अनेक लोगों को सैर सपाटे का आनंद उठाने का मौका देता है तो बड़ी तादाद में गरीबों और बेघरों को सताने का भी काम करता है। मध्यम वर्ग के लिए भी घना कोहरा परेशानी का सबब बनता है। घने कोहरे से एक्सप्रेसवे पर हादसों की संख्या बढ़ जाती है। मंगलवार को भी वाहनों के टकराने से पांच लोगों की मौत हुई और अनेक लोग घायल हो गए। घने कोहरे से ट्रेनों की आवाजाही में और फ्लाइटों की रवानगी और आगमन में विलंब होता है। इसके अलावा, पॉवर लाइनों में ट्रिपिंग की समस्या भी बढ़ जाती है। बेघर लोगों, जो गर्मी में कही भी सो लेते हैं, को जाड़े में भारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। दिल्ली में वर्तमान में दो लाख से अधिक लोग बेघर हैं। सरकार को इनके लिए रैनबसेरों की पर्याप्त व्यवस्था करनी होती है। इसके बावजूद बहुत से लोग रैनबसेरों से वंचित रह जाते हैं। ठंड इनके लिए जानलेवा साबित होती है। इस मौसम में भी कुछ गरीबों की जान जा चुकी है। सरकार को चाहिए कि वह इन लोगों के लिए रहने, खाने और दवाओं इत्यादि की ठोस व्यवस्था करे ताकि ठंड किसी और की जान न ले सके।

चिंतन-मनन

मानव जीवन की गरिमा

नालंदा तक्षशिला जैसे अनेक विश्वविद्यालय इस देश में थे। देश की शिक्षा व्यवस्था की पूर्ति तो स्थानीय गुरुकुल ही कर लेते थे। उच्च स्तरीय एवं अंतरराष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था का प्रबंध यह विश्वविद्यालय करते थे। देश-देशांतरों की भाषाएं वहां पढ़ाई जाती थीं जिनमें पारंगत होकर अपने को विश्व सेवा के लिए समर्पित करने वाले महामानव विश्व के कोने-कोने में पिछड़े क्षेत्रों को पिछड़े वर्ग को हर दृष्टि से ऊंचा उठाने के लिए अपनी अहैतुकी सेवा भावना की अजस्र वृष्टि करते थे। न केवल धर्म और अध्यात्म वरन कृषि पशुपालन वृक्षारोपण शिल्प उद्योग नौकायन चिकित्सा वास्तु रसायन आदि भौतिक विज्ञान की अनेकानेक धाराओं से संसारवासियों को परिचित प्रवीण कराने के लिए अथक परिश्रम किया गया। फलतः मानव जाति को अपनी पिछड़ी हुई अभावग्रस्त एवं विपन्न स्थिति से छुटकारा मिला। अन्न वस्त्र निवास और शिक्षा की आरंभिक आवश्यकताएं पूरी होने पर प्रगति के अन्यान्य मार्ग खुले।

मनुष्य जीवन की गरिमा दो पहिये के रथ पर चढ़कर गतिशील होती है। एक पहिया है आत्म निर्माण दूसरा लोक-निर्माण। यही दो लक्ष्य भारतीय संस्कृति के दो अविछिन्न अंग रहे हैं। गुण कर्म स्वभाव की दृष्टि से इस देश के निवासी निरंतर प्रयत्नशील रहे कि उनका व्यक्तित्व सद्भावनाओं और सत्प्रवृत्तियों से परिपूर्ण हो। उसे आदर्श और अनुकरणीय माना जाए। यहीं थी उन दिनों व्यक्तिगत जीवन की आध्यात्मिक महात्वाकांक्षा। भौतिक दृष्टि से हर व्यक्ति समुन्नत सुव्यवस्थित और साधन संपन्न जीवन जीता था और उत्कृष्ट चिंतन और आदर्श कर्त्तव्य हर किसी के लिए प्रगति का मापदण्ड बना हुआ था। भारतीय जीवन का दूसरा लक्ष्य था- लोक निर्माण। वह मनुष्य क्या जो अपनी उपलब्धियों से केवल अपने शरीर और परिवार को ही लाभान्वित करे. पीड़ा और पतन के गर्त से गिरे हुए- पिछड़े हुए और असमर्थ लोग जिससे कुछ भी प्रकाश एवं सहयोग प्राप्त न कर सके.

उन दिनों यही लोक मान्यता थी कि हर समुन्नत व्यक्ति को अपनी सम्पत्ति एवं विभूतियों को एक बड़ा भाग समाज की उन्नति में-सुख शांति की अभिवृद्धि में लगाना चाहिए. आत्मोष्कर्ष की तरह लोक कल्याण भी मनुष्य का लक्ष्य होना चाहिए. प्राचीन काल में प्रत्येक भारतवासी की वैसी मान्यता निष्ठा और रीति-नीति थी।

नेपाल की नई सरकार और भारत

भारत और नेपाल, दोनों समान संस्कृति और मूल्यों वाले पड़ोसी हैं। इसके बावजूद दोनों देशों के संबंध निर्धारित दायरे से बाहर नहीं निकल पाए हैं, तो इसकी बड़ी वजह कहीं न कहीं नेपाल का चीन प्रेम ही है। ओली के समर्थन से बन रही नेपाल की नई सरकार भारत के साथ रिश्तों को किस तरह आगे बढ़ाती है, यह अगले कुछ दिनों में स्पष्ट हो जाएगा।

डॉ. एन. के. सोमानी

कम्युनिस्ट पार्टी नेपाल-माओवादी सेंटर (सीपीएन-एमसी) के मुखिया पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड नेपाल के नये प्रधानमंत्री होंगे।

रविवार को तेजी से बदले सियासी घटनाक्रम में उस वक्त नाटकीय मोड़ आ गया जब गठबंधन सरकार में शामिल प्रंचड पाला बदल कर ओली के खेमे में चले गए थे। दोनों नेताओं के बीच सरकार निर्माण के साथ-साथ प्रधानमंत्री पद के लिए प्रचंड के नाम की सहमति बनी। प्रचंड तीसरी बार नेपाल के पीएम बन रहे हैं। पहली बार 2008-09 और दूसरी बार 2016-17 तक नेपाल के पीएम रह चुके हैं।

नेपाल की 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा के लिए नवम्बर में चुनाव हुए थे। चुनाव नतीजों में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला। मौजूदा प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस को सबसे अधिक 80 सीटें मिलीं। ओली की पार्टी को 78 सीट और प्रचंड की पार्टी को महज 30 सीटें मिली हैं। इसके बावजूद वे नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन में पहले ढाई साल के लिए पीएम बनना चाहते थे। दूसरी ओर, नेपाली कांगेस सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सरकार का नेतृत्व करने पर अड़ी हुई थी। उधर, राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी द्वारा प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के लिए निर्धारित समय सीमा रविवार को शाम पांच बजे समाप्त हो रही थी। देउबा के साथ बातचीत विफल होने के बाद प्रचंड प्रधानमंत्री पद के समर्थन के लिए कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनाइटेड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली के निजी आवाज पर पहुंचे जहां दोनों नेताओं के बीच सरकार निर्माण के फार्मूले पर सहमति हुई।

सहमति की शर्त के मुताबिक सीपीएन-यूएमएल समेत छह पार्टियों के समर्थन से प्रचंड पहले ढाई साल के लिए नेपाल की कमान संभालेंगे और अगले ढाई साल के लिए सीपीएन-यूएमएल के नेता केपी शर्मा ओली नेपाल के पीएम होंगे। प्रचंड के ओली के गठबंधन में शामिल होने के बाद नेपाल की तीनों प्रमुख कम्युनिस्ट पार्टियों के नेता प्रचंड, ओली और माधव कुमार नेपाल एक खेमे में आ गए हैं। प्रचंड और ओली, दोनों भारत विरोधी माने जाते हैं। ऐसे में सवाल है कि आने वाले दिनों में भारत-नेपाल संबंध किस दिशा में आगे बढ़ेंगे। यह सवाल इसलिए वाजिब लग रहा है क्योंकि अपने प्रचार अभियान के दौरान ओली कह चुके हैं कि अगर वे सत्ता में आते हैं, तो भारत के क्षेत्र कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को वापस लेकर आएंगे। ये क्षेत्र सदियों से भारत के पास हैं। अब प्रचंड के साथ ओली सत्ता में हैं, तो निश्चित ही चुनावी वादा पूरा करने के लिए भारत के साथ तनाव को हवा देंगे। दूसरा, ओली की चीन परस्ती पहले से ही जग जाहिर है। हालांकि, नेपाली कांग्रेस के साथ काम करते हुए प्रचंड के भारत विरोध रुख में बदलाव आया है। फिर भी सवाल तो परेशान करता ही है कि अगर प्रचंड का चीन प्रेम जाग उठा तो भारत, नेपाल के रास्ते आने वाली रणनीतिक चुनौतियों से कैसे निबट सकेगा।

नवम्बर, 2019 में जब नेपाल में ओली की सरकार थी, उस वक्त कालापानी इलाके पर नेपाल ने दो टूक कह दिया था कि भारत को इस क्षेत्र से अपनी सेना हटा लेनी चाहिए। उस वक्त भी सवाल उठा था कि ओली की आक्रामक भाषा के पीछे कहीं चीनी मनसूबे तो काम नहीं कर रहे। हालांकि, 2014 में नरेन्द्र मोदी की नेपाल यात्रा के दौरान तत्कालीन नेपाली प्रधानमंत्री कोइराला ने कालापानी का मुद्दा उठाया था और कालापानी पर नेपाल का अधिकार बताते हुए इसे हल करने की अपील की थी। 1996 में कालापानी इलाके के संयुक्त विकास के लिए महाकाली संधि के तुरंत बाद नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टियों ने कालापानी पर दावा करना शुरू कर दिया। उधर, चीन लंबे समय से इस इलाके पर कब्जा करने की कोशिश करता रहा है। चीन की शह पर ही नेपाल में जब-तब कालापानी को लेकर प्रदर्शन होते रहे हैं। यह वही जगह है जहां भारत 1962 के युद्ध में चीन के समक्ष मजबूती से डटा हुआ था। भारत को डर है कि अगर कालापानी नेपाल के अधिकार क्षेत्र में चला गया तो चीन वहां अपने पांव जमा लेगा। भारत की घेराबंदी में जुटे चीन की भी यही मंशा है।

चीन की महत्त्वाकांक्षी परियोजना वन बेल्ट वन रोड में सहयोगी होने और व्यापारिक हितों के कारण नेपाल का झुकाव भारत से कहीं अधिक चीन की ओर है। नवम्बर, 2019 में पीएम मोदी ने काठमांडू में हुए बिम्सटेक देशों के सामने सैन्य अभ्यास का प्रस्ताव रखा तो ऐन वक्त पर चीन के दबाव में नेपाल ने सैन्य अभ्यास में शामिल होने से इंकार कर दिया जबकि बाद में उसने चीन के साथ सैन्य अभ्यास में भाग लिया था। भारत और नेपाल के बीच भारतीय सेना की गोरखा बटालियन में गोरखा सैनिकों की भर्ती के मुद्दे पर भी तनातनी की स्थिति बनी हुई है। नेपाल नाराज है कि भारत सरकार ने सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना को लेकर उससे चर्चा तक नहीं की। नेपाली विदेश मंत्री नारायण खड़के नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव से मिलकर इस योजना के तहत नेपाली युवकों की भर्ती की योजना को स्थगित करने की मांग कर चुके हैं।

नेपाल का आरोप है कि अग्निपथ योजना नवम्बर, 1947 में भारत-ब्रिटेन एवं नेपाल के बीच हुए त्रिपक्षीय समझौते का उल्लंघन है। हालांकि, भारत ने नेपाल को आश्वस्त किया है कि अग्निपथ योजना के सारे फायदे, जो भारतीय युवाओं को मिलेंगे, नेपाल के गोरखाओं को भी हासिल होंगे। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे की नेपाल की पांच दिवसीय यात्रा के दौरान इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश की गई थी लेकिन ऐसा नहीं हो सका। अब भारत ने भी दो टूक कह दिया है कि अगर नेपाली गोरखा अग्निवीर बनने के लिए नहीं आते हैं, तो उनकी खाली जगह को भारत में रह रहे गोरखाओं से भरा जाएगा। अभी 30 हजार से अधिक गोरखा भारतीय सेना में हैं। नेपाल में अग्निपथ योजना के तहत 1300 सैनिकों की भर्ती की जानी है।

हालांकि, भारत और नेपाल, दोनों समान संस्कृति और मूल्यों वाले पड़ोसी हैं। इसके बावजूद दोनों देशों के संबंध निर्धारित दायरे से बाहर नहीं निकल पाए हैं, तो इसकी बड़ी वजह कहीं न कहीं नेपाल का चीन प्रेम ही है। ओली के समर्थन से बन रही नेपाल की नई सरकार भारत के साथ रिश्तों को किस तरह आगे बढ़ाती है, यह अगले कुछ दिनों में स्पष्ट हो जाएगा।

विचार मंथन

सरकार के निर्णयों पर न्यायपालिका सोच बदले?

सनत जैन

केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा देश वासियों की ओर से चुने गए प्रतिनिधि जनता के सेवक हैं। देश के जनता के प्रति निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही है। न्यायाधीशों को भी ऐसा सोचना और मानना होगा। सरकार जनता के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि संविधान सबसे पवित्र किताब है। मोदी सरकार देश को संविधान के अनुसार चला रही है। कोई इसे बिगाड़ने की कोशिश ना करे। उन्होंने अधिवक्ता परिषद के 16 वें अधिवेशन में कहा जनता के सेवक जन - प्रतिनिधि होते हैं। जो लोग न्यायपालिका में हैं। उन्हें भी ऐसा ही सोचना होगा।

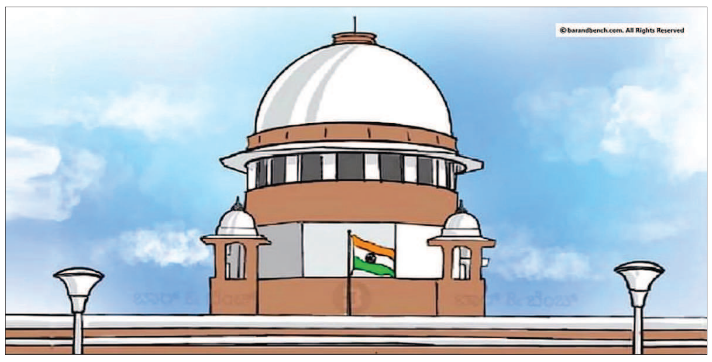

उन्होंने अधिवेशन में बोलते हुए कहा कि कार्यपालिका और न्यायपालिका दोनों का ही आदर्श लोगों को जीवन यापन की सामान स्थितियां उपलब्ध कराना संयुक्त दायित्व है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर हमें अपने दायित्वों का निर्वाह करना चाहिए। कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच मनमुटाव है। सारे देश में यह संदेश जा रहा है। सरकार न्यायपालिका को अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर रही है उन्होंने यह भी सलाह दे डाली कि न्यायाधीशों को देश के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए. उन्होंने देश का मतलब शायद सरकार को मान लिया है। क्योंकि वही सच्चे निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं।

न्यायपालिका को संविधान ने सर्वोच्चता प्रदान की है। न्यायपालिका को अपने निर्णय के क्रियान्वयन कराने की कोई अधिकार नहीं दिए। विधायिका को कानून बनाने की शक्तियां दी। कार्यपालिका में सरकार और अधिकारी शामिल होते हैं। लोकसभा विधानसभा एवं स्थानीय प्रशासन जो कानून या नियम तैयार करते हैं। उन कानूनों और नियमों को लागू कराने की जिम्मेदारी सरकार के ऊपर होती है। सरकार के अंतर्गत कार्यपालिका के मंत्री और अधिकारियों की लोक सेवक के रूप में संविधान ने जिम्मेदारी तय की है। विधायिका द्वारा जो भी कानून बनाए गए हैं। वह संविधान के मौलिक अधिकारों का हनन करने वाले नहीं होने चाहिए। जो भी नियम कानून लागू होते हैं। वह संविधान के अनुरूप यह देखने का अधिकार केवल न्यायपालिका को है। न्यायपालिका जो भी निर्णय करेगी। उसे मानने की बाध्यता विधायिका और कार्यपालिका के लिए संविधान ने तय करके रखी है। पिछले वर्षों में विधायिका ने बहुत सारे ऐसे कानून बनाए जो नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन करने वाले थे। उन्हें न्यायपालिका ने समय - समय पर निरस्त किया। इसके साथ ही सरकार और उसके अधिकारियों ने गाइडलाइन के माध्यम से ऐसे नियम तैयार किए जिनसे आम आदमियों का उत्पीड़न और स्वतंत्रता बाधित हुई। ऐसे सभी मामलों में अंतिम निर्णय का अधिकार न्यायपालिका के पास है। संविधान को यदि यह विश्वास होता कि जनप्रतिनिधि जो भी कानून बनाएंगे वह संविधान के अनुरूप होंगे। वह जो भी कार्य करेंगे वह पूरी पारदर्शिता और मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखेंगे। फिर न्यायपालिका की जरूरत ही नहीं होती। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि न्यायालयों में जो 5 करोड़ मामले लंबित हैं। उनमें 70 से 80 फ़ीसदी मामलों में सरकार पार्टी है। जो भी नियम कानून कायदे बने हुए हैं या जो निर्णय सरकार में बैठे हुए लोगों ने दिए हैं। उनके विरुद्ध न्यायालयों में लोग गए हुए हैं। यदि इतने बड़े पैमाने पर सरकार के खिलाफ मुकदमे हैं। सरकार के अनुसार न्यायाधीशों की नियुक्ति भी सरकार की मनमर्जी से होगी। न्यायाधीशों पर भी सरकार की मंशा के अनुरुप निर्णय देने की बाध्यता होगी। ऐसी स्थिति में सरकार और प्रशासन ने जो निर्णय किए हैं। उससे अलग हटके न्यायपालिका कभी कोई निर्णय न्यायपालिका नहीं कर पाएगी। संवैधानिक संस्थाओं में जो नियुक्ति हो रही है। उसमें सरकार के इशारे पर सारे निर्णय हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में संविधान की मूल भावना और नागरिकों के मूल मौलिक अधिकार कैसे सुरक्षित रह पाएंगे। चुनाव आयोग जांच एजेंसी एनआईए सीबीआई आयकर प्रवर्तन निदेशालय कैग इत्यादि में जो नियुक्तियां हो रही हैं। उनको लेकर लगातार प्रश्नचिन्ह निर्वाचित जनप्रतिनिधियों द्वारा ही लगाए जा रहे हैं। उन्हीं के खिलाफ सबसे ज्यादा मुकदमे की बाढ़ देखने को मिल रही है। भारत जैसे देश में लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं भारतीय लिखित संविधान के अनुसार ही नागरिकों के मौलिक अधिकार सुरक्षित रह सकते हैं। न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति उनकी योग्यता निष्पक्षता संविधान के प्रति निष्ठा बहुत ही जरूरी है। भारत में अनादि काल से चले आ रहे ब्रह्मा विष्णु महेश की अधिकारिता के तहत जो भारतीय संविधान तैयार किया गया है। उसे कायम रखा जा सकेगा। अपने आपको सर्वोच्च मानने की कोशिश करेगा उससे भारतीय संविधान और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रख पाना संभव नहीं होगा। कार्यपालिका और विधायिका की तानाशाही बढ़ेगी उस पर कोई अंकुश नहीं रहेगा। जो आज सत्ता में है वह कल विपक्ष में होंगे। कानून का राज सभी को संरक्षित करेगा।

मुद्दा

ध्यान खींच रहे मोटे अनाज

रवि शंकर

वर्तमान समय में देश-दुनिया में मोटे अनाजों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकारी विज्ञापनों से लेकर संसद के मेन्यू तक हर जगह इनका जिक्र किया जा रहा है।

लोगों से अपने आहार में मोटे अनाजों को शामिल करने की अपील की जा रही है। मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को मिलेट अर्थात मोटा अनाज वर्ष घोषित किया है। बताते चलें कि इसका प्रस्ताव भारत ने ही रखा था और 72 देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया था। मोटे अनाजों के बारे में कहा जाता है कि इनकी फसलें प्रतिकूल मौसम को झेल सकती हैं। इन्हें ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती है। भारत के बारे में मशहूर है कि यहां हजारों साल से ये अनाज हमारे भोजन का अनिवार्य हिस्सा रहे हैं। हमारी पीढ़ी, जो पांच-छह दशक पहले बड़ी हो रही थी, में से बहुतों ने बचपन में गेहूं, ज्वार, बाजरा, जौ, मक्का आदि की चूल्हे पर सिंकी स्वादिष्ट रोटियां खूब खाई हैं।

बाजरे की खिचड़ी, रोटी और घी मिलाकर बनाए लड्डू, समा के चावल भी भोजन का हिस्सा रहे हैं। तब तो गेहूं की रोटी में भी चने का आटा मिलाकर खाया जाता था, जिसे मिस्सा आटा कहते थे। अकेले गेहूं की रोटी खाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता था। सर्दियों में शायद ही कोई दिन होता था, जब मक्का या बाजरा की रोटी न बने, लेकिन गेहूं, चावल की पैदावार में क्रांति और इन्हें खाने वालों की आर्थिक हैसियत को ऊंची बताने के कारण मोटे अनाज हमारी थालियों से लगभग गायब हो गए। अरसे बाद जब ये सुपरफूड के रूप में विदेशों से लौटे और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने वाले धनाढ्य वर्ग की थाली की शोभा बढ़ाने लगे, तो फिर इनके प्रति दिलचस्पी बढ़ी। यह अच्छा ही हुआ। फिलहाल सरकार भी इनके उत्पादन के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर रही है। खान-पान में इन अनाजों को शामिल करने की बात लगातार की जा रही है। मालूम हो, लम्बे समय से मोटे अनाजों की खेती को मुख्य धारा में लाने के लिए कोशिश की जा रही है।

सवाल अहम यह है कि भारत सहित दुनिया के देश मोटे अनाज की खेती पर जोर क्यों दे रही है? जवाब स्पष्ट है, तेजी से हो रहा जलवायु परिवर्तन और बढ़ती जनसंख्या चिंता की बात है, ऐसे में फसलों के उत्पादन में कमी आएगी और खाद्य पदार्थों की मांग में बढ़ोतरी जिसके कारण सभी के लिए खाद्य पदार्थों की आपूर्ति करना बड़ी चुनौती हो सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण भविष्य में सूखा और अकाल पड़ने जैसी घटनाएं सामान्य हो जाएंगी। मोटे अनाजों की खेती करके अकाल और सूखे की स्थिति से आसानी से निपटा जा सकता है। भारत दुनिया के उन सबसे बड़े देशों में शामिल है जहां सबसे ज्यादा मोटे अनाज की पैदावार होती है। भारत दुनिया के कई देशों को मोटे अनाज का निर्यात करता है। इनमें संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, सऊदी अरब, लीबिया, ओमान, मिस्र, ट्यूनीशिया, यमन, ब्रिटेन तथा अमेरिका शामिल हैं। मोटे अनाजों में भारत सबसे ज्यादा बाजरा, रागी, कनेरी, ज्वार और कुट्टू को एक्सपोर्ट करता है। वैश्विक उत्पादन में लगभग 41 प्रतिशत की अनुमानित हिस्सेदारी के साथ भारत दुनिया में बाजरा के अग्रणी उत्पादकों में शुमार है।

इसके बावजूद मोटे अनाजों से बने उत्पाद- बेबीफूड, बेकरी, ब्रेकफास्ट, रेडी टू ईट फूड, रेडी टू कुक, रेडी टू सर्व, वेवरीज और पशु आहार बेचकर चीन दुनिया में मोटी कमाई कर रहा है। यह तब है जब वह दुनिया का मात्र 9 फीसदी ही मोटा अनाज पैदा करता है। खैर, केंद्र सरकार ने बाजरा सहित संभावित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने तथा पोषक अनाजों की आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं को दूर करने के लिए पोषक अनाज निर्यात संवर्धन फोरम का गठन किया है। मोटे अनाज की कैटेगरी में ज्वार, बाजरा, रागी (मडुआ), जौ, कोदो, सामा, बाजरा, सांवा, कुटकी, कांगनी और चीना जैसे अनाज आते हैं। इन अनाजों के सेवन से मोटापा, दिल की बीमारियां, टाइप-2 डायबिटीज और कैंसर का खतरा घटाता है। इनमें कई गुना अधिक पोषक तत्व पाए जाते हैं। यही वजह है कि मोटे अनाज को सुपर फूड भी कहा जाता है। मोटे अनाज में सिर्फ फाइबर ही नहीं, बल्कि विटामिन-बी, फोलेट, जिंक, आयरन, मैग्नीशियम, आयरन और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं।

मोटे अनाज जहां सेहत के लिए रामबाण हैं तो दूसरी तरफ खेती करने वाले किसानों के लिए भी फायदेमंद हैं। मोटे अनाजों की खेती करके जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा संकट, भू-जल ह्रास, स्वास्थ्य और खाद्यान्न संकट जैसी समस्याओं को काबू में किया जा सकता है। हम उम्मीद कर सकते हैं कि भारत 2023 में जी-20 की अध्यक्षता करते हुए अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के उद्देश्यों और लक्ष्यों के मद्देनजर देश और दुनिया में मोटे अनाजों के लिए जागरूकता पैदा करने में सफल होगा और इससे मोटे अनाज का वैश्विक उत्पादन बढ़ेगा, मोटे अनाज का वैश्विक उपभोग बढ़ेगा। साथ ही, कुशल प्रसंस्करण एवं फसल चक्र का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा। भारत द्वारा वर्ष 2023 में मोटा अनाज वर्ष के तहत मोटे अनाजों के प्रति जागरूकता की प्रभावी रणनीति से एक बार फिर मोटे अनाज को देश के हर व्यक्ति की थाली में अधिक जगह मिलने लगेगी।

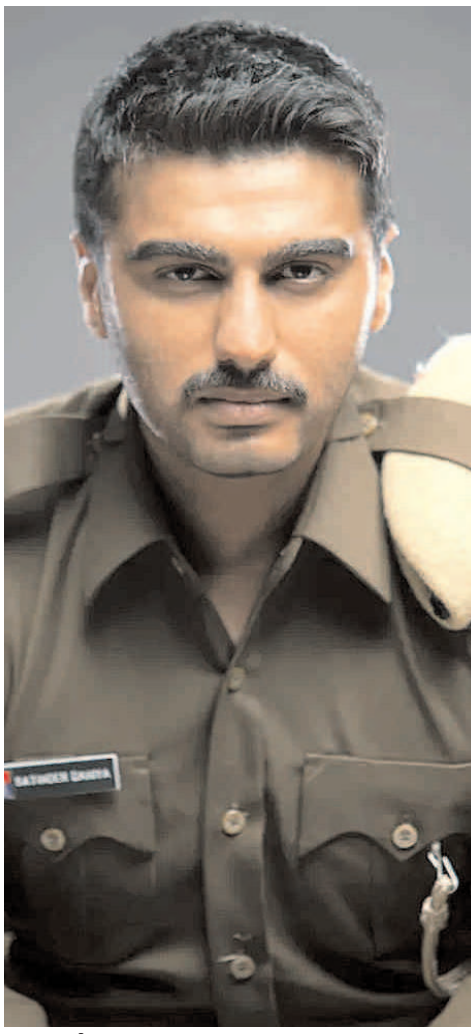

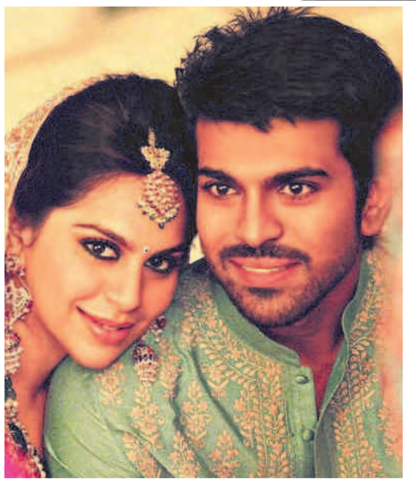

राम चरण, उपासना के लिए यादगार रहा 2022, फैमिली फोटो की साझा

टॉलीवुड के उभरते हुए युवा स्टार राम चरण के लिए 2022 एक शानदार साल रहा और उनको नया साल भी उतना ही अच्छा होने की उम्मीद है। नए साल से पहले, राम चरण और उनकी पत्नी उपासना कोनिडेला ने शानदार 2022 को लेकर अपना आभार व्यक्त करने के लिए एक खूबसूरत पारिवारिक तस्वीर साझा की। टॉलीवुड में मेगा पावर स्टार के रूप में जाने जाने वाले राम चरण के लिए यह साल वास्तव में अविश्वसनीय रहा है, व्यक्तिगत और पेशेवर, दोनों मोर्चो पर। आरआरआर -- जिसमें राम चरण और जूनियर एनटीआर नायक हैं, को गोल्डन ग्लोब नामांकन मिला है। साथ ही शुरूआती ऑस्कर शॉर्टलिस्ट में भी फिल्म ने जगह बनाई। इसके अलावा राम चरण और उनकी पत्नी ने अपने पहले बच्चे का भी स्वागत किया। राम चरण के लिए यह वर्ष घटनापूर्ण और यादगार दोनों रहा है। तस्वीर में राम चरण एक खूबसूरत ऑल-ब्लैक सूट में नजर आ रहे हैं, जो उपासना की खूबसूरत फ्लोरल ड्रेस के साथ मैच कर रहा है। उनकी बाहों में उनका बच्चा भी है। इसे देख कर उनके फैंस काफी खुश हैं। इससे पहले क्रिसमस पर इस कपल ने फैमिली और फ्रेंड्स के लिए पार्टी रखी थी। इवेंट की तस्वीरें भी वायरल हुई थीं।

बॉयफ्रेंड संग न्यू ईयर मनाने निकलीं अंजलि अरोड़ा

काचा बादाम और लॉकअप से चमकीं अंजलि अरोड़ा को हाल ही बॉयफ्रेंड आकाश के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। अंजलि न्यू ईयर का जश्न मनाने के लिए किसी खास लोकेशन के लिए निकल चुकी हैं। लॉकअप में अपने जलवे दिखाने वालीं काचा बादाम गर्ल अंजलि अरोड़ा अब क्रिसमस मनाने के बाद न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए निकल चुकी हैं। मंगलवार यानी 27 दिसंबर को अंजलि अरोड़ा को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। लेकिन इस बार उनके साथ बॉयफ्रेंड आकाश संसनवाल भी मौजूद थे। गॉगल्स लगाए अंजलि अरोड़ा का स्वैग वाकई देखने वाला था। अंजलि अरोड़ा और आकाश संसनवाल का वीडियो विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो पर यूजर्स के ऐसे घटिया कमेंट आ रहे हैं कि उनका जिक्र करने में भी शर्म आ जाए। एक यूजर ने तो आकाश संसनवाल को कामवाला ही बता दिया। एक अन्य यूजर ने हद पार करते हुए मुनव्वर फारूकी को ही घसीट लिया और लिखा, मुनव्वर नहीं मिला तो इस चोमू से ही काम चला रही है बेचारी।

-कौन हैं आकाश संसनवाल?

आकाश संसनवाल एक सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर हैं। वह सोशल मीडिया पर अकसर ही इंस्टाग्राम रील्स बनाकर शेयर करते रहते हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। आकाश संसनवाल एक राजनीतिक पार्टी से भी जुड़े हुए हैं। आकाश और अंजलि अरोड़ा की फैमिली काफी समय से एक-दूसरे को जानती है और वो काफी करीब हैं। आकाश और अंजलि को जब भी समय मिलता है दोनों एक साथ ट्रैवल करते हैं। वो अकसर ही एक साथ क्वालिटी टाइम बिताते नजर आते हैं।

अर्जुन कपूर को पसंद है पुलिसवाले का किरदार निभाना

दिलचस्प बात यह है कि फ़िल्म कुत्ते में एक पुलिसवाले का किरदार निभाने वाले अर्जुन ने संदीप और पिंकी फरार में भी एक पुलिसवाले की भूमिका निभाई थी - और उनके इस रोल के बारे में हर कोई यही कहता है कि, यह उनके करियर का सबसे शानदार परफॉर्मेंस है! अर्जुन भी मानते हैं कि पुलिसवाले का किरदार उनके लिए लकी चार्म है, क्योंकि लोगों ने उनके इस किरदार की जमकर तारीफ की है और वे चाहते हैं कि दर्शक फ़िल्म कुत्ते में भी उनके परफॉर्मेंस को पसंद करें। अर्जुन कहते हैं, अगर पुलिस वाले का किरदार मेरे लिए लकी चार्म है, तो सचमुच मेरे लिए इससे बड़ी खुशी की बात और क्या होगी। संदीप और पिंकी फरार में एक पुलिसवाले के किरदार से मुझे लोगों का भरपूर प्यार मिला, दर्शकों को यह भूमिका काफी पसंद आई और इसके लिए मुझे बेस्ट एक्टर के अवॉर्ड्स भी मिले! इसलिए, अगर मुझे कुट्टी में फिर से एक पुलिसवाले का किरदार निभाकर वही सम्मान और वाहवाही मिले, तो मैं इसे खुशी-खुशी स्वीकार करूंगा क्योंकि एक एक्टर होने के नाते मैं भी थोड़ा ग्रीडी हूं, जो चाहता है कि उसकी हर फ़िल्म का किरदार दर्शकों के दिलो-दिमाग में बस जाए। वे आगे कहते हैं, फ़िल्म कुत्ते में पुलिसवाले का किरदार निभाकर मुझे बड़ा सुकून मिला, क्योंकि मैं कानून का पालन करने वाला इंसान हूं और इसलिए कानून के दायरे से हटकर काम करने वाले एक भ्रष्ट अधिकारी की भूमिका निभाना मेरे लिए बिल्कुल अलग अनुभव था। वर्दी पहनना, टोपी पहनना, सैल्यूट करना, अपने किरदार को देखना और उसे महसूस करना सचमुच बेहद रोमांचक था। अर्जुन कहते हैं कि उन्हें फ़िल्म के नौजवान डायरेक्टर, आकाश भारद्वाज ने इस तरह के शानदार परफॉर्मेंस के लिए प्रेरित किया, जिस पर उन्हें नाज़ है। वे कहते हैं, फ़िल्म कुत्ते में आकाश ने मुझे अपने परफॉर्मेंस को निखारने और अपनी काबिलियत दिखाने के लिए प्रेरित किया है। अगर डायरेक्ट आप पर भरोसा करे और आपकी भलाई सोचे, तो इससे अच्छी बात और कुछ नहीं हो सकती है। वह मेरे साथ हमेशा चट्टान की तरह खड़े रहे हैं और मेरा हौसला बढ़ाया है, और इसी वजह से मैंने अपनी ओर से बेहतरीन परफॉर्मेंस देने की कोशिश की है। उन्होंने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि इस फ़िल्म में लोगों को मेरा काम बेहद पसंद आएगा। अब तो मुझे लोगों के रिएक्शन का इंतजार है। मेरे ख्याल से एक पुलिस वाले का किरदार निभाना मेरे लिए गेम-चेंजर हो सकता है। स्पेक्ट्रम के एक तरफ मैंने एक सस्पेंडेड पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभाई है, और अब मैंने एक ऐसे पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया है जो बहुत अच्छा नहीं है और मैं सकारात्मक बदलाव लाने वाले किरदार को दुनिया के सामने पेश करना चाहूंगा, जो वर्दी में भी है क्योंकि हमारे पुलिसकर्मी लगातार और बिना शर्त हमारी हिफाजत के लिए दिन-रात काम करते हैं। मैं दिल से उनकी बड़ी इज्जत करता हूं और मौका मिलने पर मैं इसे पर्दे पर दर्शकों के सामने पेश करना चाहता हूं। कुत्ते को मौज-मस्ती और शरारत से भरी फ़िल्म बताया जा रहा है, जिसमें नसीरुद्दीन शाह, कोंकणा सेन शर्मा, तब्बू, कुमुद मिश्रा और राधिका मदान जैसे बेहतरीन कलाकार भी हैं। डायरेक्टर के तौर पर यह आसमान भारद्वाज की पहली फ़िल्म है, जो जाने-माने फ़िल्म निर्माता विशाल भारद्वाज के बेटे हैं। यह फ़िल्म 13 जनवरी, 2023 को रिलीज़ के लिए तैयार है।

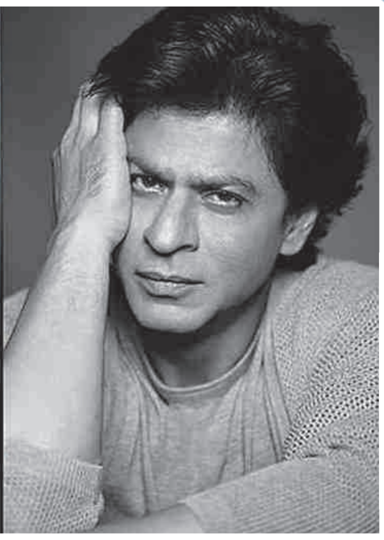

जिम बन कर जॉन लेंगे पठान में शाहरुख से टक्कर

पठान के दो गाने रिलीज हो चुके हैं और चारों ओर शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण के नामों की ही चर्चा है और जॉन अब्राहम इन दोनों सितारों के बीच छिप से गए हैं, लेकिन आप यह जान लीजिए कि जॉन भी इस फिल्म में एक बेहद महत्वपूर्ण रोल में हैं। इस फिल्म में जॉन के किरदार का नाम है जिम जो कि पठान का जानी दुश्मन है। पठान के लिए कदम-कदम पर मुसीबत खड़ा करता है। जॉन की सीधे शाहरुख खान से टक्कर है तो मान लीजिए कि यह बहुत ही जोरदार होने वाली है। शाहरुख खान जहां धांसू एक्शन करते हुए दिखाई देंगे जो जॉन के एक्शन सीन भी कम नहीं है। एक्शन फिल्म का मजा तब और बढ़ जाता है जब विलेन भी दमदार हो। हीरो-विलेन की टक्कर तब मजेदार हो जाती है। पठान के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद भी इस बात को जानते हैं इसलिए विलेन के रोल में उन्होंने सुपरफिट जॉन को इस रोल के लिए चुना है। जॉन और शाहरुख की टक्कर रोमांचक होने वाली है।

-पठान की एक ओर खासियत

पठान ने रिलीज से पहले एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली है। फिल्म पठान एक नई टेक्नोलॉजी में रिलीज होगी। यह फिल्म फॉर्मेट में थिएटर में रिलीज होगी। पठान द्धष्टश्च फॉर्मेट में रिलीज होने वाली पहली भारतीय फिल्म होगी। आईसीई फॉर्मेट वाले थिएटर में सामने की स्क्रीन के अलावा साइड पैनल्स भी मिलते हैं, जो मुख्य स्क्रीन के साथ एक पेरीफेयरल विजन बनाते हैं।

-8 देशों में शूट हुई है पठान

फिल्म को दुनिया के 8 देशों में शूट किया गया है ताकि एक ऐसे स्तर को हासिल किया जा सके जिसे बड़े पर्दे पर कभी नहीं देखा गया। टीम ने स्पेन, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्की, रूस और साइबेरिया, इटली, फ्रांस, भारत और अफगानिस्तान में एक असामान्य एक्शन थ्रिलर पेश करने के लिए शूटिंग की है जो वास्तव में दुनिया भर में भारतीयों के लिए एक इवेंट फिल्म है। सिद्धार्थ आनंद कहते हैं, लोकेशन हमेशा मेरी फिल्मों में एक बड़ी भूमिका निभाती आ रही हैं और ये पठान के लिए और भी महत्वपूर्ण हो गई क्योंकि हम दर्शकों के लिए एक ऐसा एक्शन दृश्य पेश करना चाहते थे जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं देखा हो। दृश्यों में उस स्तर और रूपांतर को हासिल करने के लिए हम फिल्म और उसके भव्य एक्शन दृश्यों को शूट करने के लिए 8 देशों में गए। पठान 25 जनवरी को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होने वाली है। निर्माता आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित यह फिल्म 2023 की बड़ी फिल्मों में से एक है। चार साल बाद शाहरुख खान सिल्वर स्क्रीन पर नजर आने वाले हैं इसलिए उनके फैंस के बीच इस मूवी को लेकर बहुत एक्साइटमेंट है।

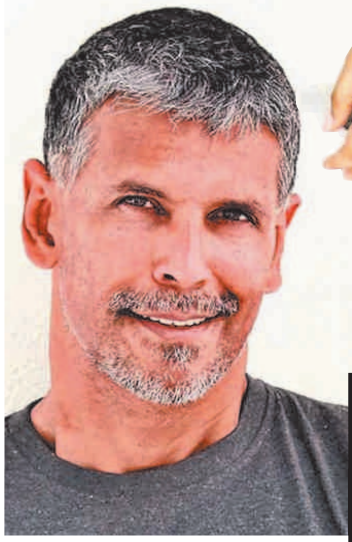

मिलिंद सोमन 8 साल बाद बड़े पर्दे पर कर रहे वापसी

आखिरी बार संजय लीला भंसाली की बाजीराव मस्तानी में नज़र आए - मिलिंद सोमन - भारत के लौह पुरुष - जनवरी 2023 में एक्शन थ्रिलर लकड़बग्घा के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म को एक पशु प्रेमी विजिलेंटे के बारे में भारत की पहली फिल्म के रूप में माना जा रहा है जो 13 जनवरी को फिल्म कुट्टे के साथ रिलीज़ होगी। मिलिंद सोमन ने कहा, लकड़बग्घा जैसी अनूठी एक्शन फिल्म का हिस्सा बनना रोमांचक है। मुझे अच्छा लगा कि कैसे क्राव मागा, एक रोमांचक मार्शल आर्ट फॉर्म के रूप में, स्क्रिप्ट में शामिल किया गया है। अंशुमन ने क्राव मागा में काफी ट्रेनिंग लिया है और इस मार्शल आर्ट को उजागर करने के लिए कोरियोग्राफी विशेष रूप से तैयार की गई है। मैं एक मार्शल आर्ट इंस्ट्रक्टर और अंशुमन के पिता की भूमिका निभा रहा हूं और शूट शेड्यूल काफी इंटेंस था। भावुक लोगों के साथ काम करना कुछ ऐसा रहा है जिसका मैंने हमेशा आनंद लिया है। यह एक ऐसा किरदार है जिसे मैंने पहले कभी नहीं निभाया - एक बंगाली पिता और एक मार्शल आर्ट ट्रेनर, यह बहुत मज़ेदार था।

सनी का लेटेस्ट फोटो देख मदहोश फैंस ने लिखा कोई इतना क्यूट कैसे हो सकता है यार

सनी लियोनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फोटो पोस्ट की है। यह फोटो फिल्म ओह माय घोस्ट से लिया गया है जिसमें सनी लियोनी भी एक जोरदार कैरेक्टर प्ले करती नजर आएंगी। सनी का यह बोल्ड अंदाज देख उनके इस फोटो को ढेर सारे लाइक्स मिले हैं। कमेंट्स भी हैं। एक फैन सनी का यह अंदाज देख मदहोश हो गया है और उसने कमेंट किया कि कोई इतना क्यूट कैसे हो सकता है यार... सनी के इस फोटो को एक दिन में दस लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। वे बेहद ग्लैमरस नजर आ रही हैं। जहां तक मूवी ओह माय घोस्ट का सवाल है तो यह दक्षिण भारतीय फिल्म है और 30 दिसम्बर को रिलीज हो रही है। सनी को इस मूवी से बहुत उम्मीद है

साल 2022 भूमि के लिए रहा शानदार

युवा बॉलीवुड स्टार भूमि पेडनेकर ने हाल के वर्षों में महिला के प्रमुख भूमिका वाले बेहतरीन और यादगार परफॉर्मेंस दिए हैं। साल 2022 में, बधाई दो और गोविंदा नाम मेरा में दो शानदार परफॉर्मेंस के साथ भूमि ने एक बार फिर से साबित कर दिया है, कि वे आज भारत की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपने इस बेहतरीन साल के बारे में बात करते हुए, भूमि कहती हैं, कि साल की शुरुआत और उसका समापन क्रिएटिव रूप से करना आश्चर्यजनक लगता है। मैं खुशकिस्मत हूं कि साल की शुरुआत बधाई दो के साथ की, जिसने मुझे इतनी प्यार और सराहना दी। वे कहती हैं, कि यह वास्तव में एक खास फिल्म है और मुझे खुशी है कि फिल्म के संवेदनशील संदेश के जरिए हमने समावेशिता का एक महत्वपूर्ण संकेत देने की कोशिश की। गोविंदा नाम मेरा में गौरी वाघमारे के रूप में भूमि ने एक उत्साही, मजाकिया, स्वतंत्र महिला के तौर पर अपना परफॉर्मेंस दिया है, जो अपने जीवन विकल्पों के माध्यम से लिंग की यथास्थिति को चुनौती देती है। काफी सरल तरीके से विभिन्न भूमिकाओं में अपने कौशल का प्रदर्शन करने वाली भूमि, साल 2022 के उच्च स्तर पर समाप्त होने से काफी खुश हैं। साल 2022 का अंत भी गोविंदा नाम मेरा के साथ और एक ऐसी भूमिका से हुई, जिससे उन्हें काफी सराहना मिली है, और इसे लेकर भूमिका ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह एक चुनौतीपूर्ण भूमिका थी और मुझे खुशी है कि मैंने लोगों का मनोरंजन किया। व आगे कहती हैं कि बधाई दो और गोविंदा नाम मेरा, दो बिल्कुल विपरीत फिल्में हैं। इसलिए, दोनों के लिए मिल प्यार से मैं संतुष्ट हूं, क्योंकि इससे मुझे पता चलता है कि एक एक्टर के तौर पर मैं हर तरह की भूमिका को निभा सकती हूं। एक क्रिएटिव व्यक्ति के रूप में, किसी के क के लिए पहचान और मान्यता मिलना हमेशा महत्वपूर्ण होता है और 2022 मेरे लिए ऐसा ही वर्ष रहा है। काम मोर्चे पर बात करें तो, भूमि अब अनुभव सिन्हा की भीड़ अजय बहल की द लेडी किलर, सुधीर मिश्रा की अफव गौरी खान द्वारा निर्मित भक्षक, मुदस्सर अजीज की मे हसबैंड की बीवी जैसी अन्य अघोषित परियोजनाओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाती नजर आएंगी।

झांसी पुलिस 2 घंटे ढूंढ़ती रही लाश परिजन गाजियाबाद ले गए शव

ट्रेन से जाते वक्त युवक की तबीयत बिगड़ गई थी

झांसी में गुरुवार दोपहर को पुलिस के सामने अजीबो-गरीब स्थिति हो गई। युवक की मौत की सूचना पर बबीना थाना पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराने पहुंच गई। पुलिस करीब दो घंटे तक लाश को ढूंढ़ती रही। बाद में पता चला कि परिजन बिना पोस्टमार्टम के ही शव को अपने घर गाजियाबाद ले गए। परिजन पोस्टमार्टम नहीं कराना चाहते थे। लोनी देहात इलाके के गौरी पट्टी निवासी वसीम खान (36) पुत्र हबीब मजदूर था। उसके भाई सलीम ने पुलिस को बताया कि वह भाई के साथ पूना जा रहा था। झांसी निकलने के बाद वसीम को अचानक ठंड लगने लगी। इस पर उसे बबीना स्टेशन पर नीचे उतार लिया। वसीम को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बबीना सीएचसी के डॉक्टर ने वसीम की मौत होने पर मेमो बनाकर पुलिस को सूचना दे दी। इसके बाद परिजन शव को ले गए। डॉक्टर को लगा कि वे पोस्टमार्टम के लिए शव को झांसी ले जा रहे हैं। लेकिन परिजन शव को झांसी न लाकर सीधे गाजियाबाद ले गए। सूचना पर बबीना पुलिस झांसी पहुंच गई। पुलिस काफी देर तक शव की तलाश करती रही। बाद में पुलिस ने भाई सलीम से फोन पर बात की तो पता चला कि वे शव को परिजन घर ले गए है। सलीम ने बताया कि वह भाई वसीम के साथ मोबाइल टॉवर रिपेयरिंग का काम करता है। काम के सिलसिले में ही दोनों पूना जा रहे थे। वसीम बाथरूम में भींग गया था। गुरुवार सुबह उसको तेज ठंड लगने लगी। अस्पताल ले गए तो मौत हो चुकी थी। वसीम की नेचुरल डेथ हुई है। इसलिए पोस्टमार्टम नहीं कराना चाहते थे। न उनको किसी ने पोस्टमार्टम के लिए कहा। इसलिए शव को लेकर घर के लिए रवाना हो गए।

देश की पहली मुस्लिम फाइटर पायलट बनने जा रही सानिया ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

लखनऊ,। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की परीक्षा उत्तीर्ण कर देश की पहली मुस्लिम फाइटर पायलट बनने जा रही सानिया मिर्जा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने बताया कि सानिया ने मुख्यमंत्री से उनके आवास पर भेंट की और इस दौरान उनके पिता शाहिद अली और मां तबस्सुम मिर्जा भी मौजूद थीं। सानिया और उनके माता-पिता को मुख्यमंत्री से मिलवाने गये अंसारी ने बताया कि आदित्यनाथ ने सानिया को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मंत्री के अनुसार साथ ही, मुख्यमंत्री ने उनके पिता माता-पिता को भी बधाई दी और कहा, मारी बच्चियों को ऐसे ही कीर्तिमान रचते रहने की जरूरत है। अंसारी के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर सोनिया को कभी सरकार से किसी भी तरह के सहयोग की जरूरत हो तो वह निःसंकोच कहें क्योंकि सरकार युवाओं को शिक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए सदैव तत्पर है। अंसारी ने बताया कि सानिया अल्पसंख्यक समाज की गौरव हैं और प्रदेश की भाजपा सरकार ने शिक्षा और महिला सशक्तीकरण की दिशा में खासकर अल्पसंख्यकों के लिये जिस तरीके से प्रयास की है, उसी का फल है कि एक आम परिवार में जन्मी सानिया मिर्जा ने उत्तर प्रदेश की पहली महिला पायलट होने की उपलब्धि हासिल करके राज्य का गौरव बढ़ाया है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर जिले के जसोवर गांव की सानिया मिर्जा ने इसी साल अप्रैल में एनडीए की परीक्षा दी थी। नवंबर में जारी परिणाम में उनका चयन हुआ है। वह फ्लाइंग विंग में चुनी जाने वाली दो महिलाओं में से एक हैं। सानिया का प्रशिक्षण पुणे में होगा। सानिया मिर्जा देश की पहली मुस्लिम महिला फाइटर पायलट बन सकती हैं। अगर वह फाइटर पायलट बनीं तो उत्तर प्रदेश की भी पहली महिला फाइटर पायलट होंगी।

नाबालिग बच्चे को गोली मारने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

बस्ती : थाना नगर पुलिस टीम द्वारा थाना नगर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 380/2022 धारा 386, 307, 506 क्ढउ से संबंधित अभियुक्त (अनुराग दुबे उर्फ अंशु दुबे पुत्र राम प्रकाश दुबे निवासी ग्राम पिपरौला थाना नगर जनपद बस्ती उम्र 25 वर्ष) को दिनांक 26.12.22 को समय 19.00 बजे ग्राम कैथवलिया लाला से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय बस्ती के समक्ष रवाना किया गया। घटना वादी मुकदमा बलराम यादव पुत्र राममिलन यादव ग्राम कैथवलिया लाला थाना नगर जनपद बस्ती के द्वारा थाना नगर जनपद बस्ती पर लिखित तहरीर दिया गया की दिनांक 26.12.2022 की शाम अभियुक्त अनुराग दुबे उर्फ अंशु दुबे पुत्र राम प्रकाश दुबे निवासी ग्राम पिपरौला थाना नगर जनपद बस्ती उम्र 25 वर्ष व दो अज्ञात व्यक्ति द्वारा रंगदारी के पैसे मांगने के लिए घर पर आए थे। उपरोक्त अभियुक्तों द्वारा धमकी देते हुए गोली चला दिया गया जिसमे वादी के लड़के सत्यम उम्र 10 वर्ष के पैर में गोली लग गई जिसे दवा इलाज हेतु जिला अस्पताल बस्ती गए। जहाँ से घायल लड़के को जिला अस्पताल बस्ती से मेडिकल कालेज लखनऊ रेफर कर दिया गया है। उक्त के सुरक्षार्थ उ0नि0 रामसरण यादव परिवार के साथ मौजूद है। अभियुक्त अनुराग दुबे उर्फ अंशु दुबे जिसे गांव वालो के द्वारा पकड़ कर चोटिल अवस्था में थाना नगर पुलिस को सुपुर्द किया गया था। जिसके सम्बन्ध में थाना नगर पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय बस्ती भेजा गया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना : तहसील खलीलाबाद में आज दो दिवसीय बृहद शिविर का हुआ शुभारंभ

संत कबीर नगर,। जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह के निदेर्शानुसार उप जिलाधिकारी खलीलाबाद अजय कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत तहसील खलीलाबाद में आज दो दिवसीय बृहद शिविर का शुभारंभ किया गया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना अंतर्गत जिन कृषकों के बैंक खाते में किसान सम्मान निधि नहीं आ रही थी, जिनका आधार कार्ड अथवा खाता संख्या गलत हो गया था अथवा जिन कृषकों का भूमि अंकन नहीं था ऐसे कृषकों को शिविर के माध्यम से तहसील खलीलाबाद तथा कृषि विभाग के संयुक्त टीम के प्रयासों द्वारा तत्काल लाभ दिलाया गया। ऐसे कृषक जिनका ईकेवाईसी नहीं था उनको सहज जन सेवा केंद्र पर उपस्थित होकर अपने अभिलेख के साथ ई केवाईसी कराने हेतु बताया गया, ऐसे कृषक जिनका संयुक्त खाता था उनको एकल खाता खुलवाने हेतु तथा आधार से लिंक कराने हेतु भी कहा गया। देर शाम के आंकड़ों के अनुसार खलीलाबाद तहसील अंतर्गत खलीलाबाद विकास खंड के कुल 468 बघौली विकास खंड के 538 तथा सेमरियावां विकासखंड के कुल 583 कृषकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उप जिलाधिकारी ने बताया कि विशेष अभियान का कल आखिरी और अंतिम दिन है, ऐसे कृषक जिनका पीएम किसान योजना अंतर्गत किसी भी कारणवश निधि उनके खाते में नहीं आ रही है कल तहसील खलीलाबाद पहुंचकर लाभ प्राप्त करें। इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी प्रकाश चंद्र विश्वकर्मा, तहसीलदार खलीलाबाद शेख आलमगीर, नायब तहसीलदार खलीलाबाद विजय कुमार गुप्ता, नायब तहसीलदार सेमरियावां हरेराम यादव, जिला कृषि प्रसार अधिकारी शशांक चौधरी, सहायक कृषि विकास अधिकारी आदेश कुमार मिश्रा, कृषि प्राविधिक सहायक गौतम कुमार, लेखपाल राजेश चौधरी जितेंद्र कनौजिया बुधराम चौधरी आदि उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव का हमला, बोले- आरक्षण छीनकर ओबीसी को और पीछे करने की साजिश रच रही भाजपा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का पिछड़ों के प्रति व्यवहार सौतेला रहा है। भाजपा समय- समय पर पिछड़ों दलितों के प्रति सौतेला व्यवहार करती रही है। आज पिछड़ों का आरक्षण छीना है। यह धोखा है। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर द्वारा मिला अधिकार छीना जा रहा है। अन्य संस्थाओं में भी यह हो रहा है। ओबीसी समाज का आरक्षण खत्म करके समाज को सत्ता से बेदखल करने की साजिश की जा रही है। आने वाली नस्लों को पीछे करने कि साजिश है। वह पिछड़ों का वोट चाहती है लेकिन सत्ता में भागीदारी नहीं देना चाहती है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश और दिल्ली की सरकार पिछड़ों के वोट से बनी लेकिन उस समाज के लिए कोई स्थान नहीं है। सपा अब भाजपा के हर षड्यंत्र का विरोध करेगी। अभी पिछड़ों का हक छीना गया है आगे दलितों का अधिकार छीना जाएगा। इससे पहले पुलिस बोर्ड के परिणाम में भी यही किया था। उसमें आरक्षण व्यवस्था में बदलाव किया गया। जिसकी वजह से 1700 दलितों-पिछड़ों को नौकरी से बाहर होना पड़ा। 69000 शिक्षक भर्ती में भी यही हुआ। अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें सरकार पर भरोसा नहीं है। पार्टी के लोग सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। भाजपा चुनाव में नहीं जाना चाहती है। मामले को उलझाए रखना चाहती है। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग बना था उसे भी सरकार ने खत्म कर दिया। इस दौरान अयोध्या से आए व्यापारियों ने बताया कि भाजपा राज में उनकी दुकान तोड़ दी गई। सब खत्म हो गए हैं। अयोध्या के व्यापारी परेशान हैं। मुआवजा के नाम पर चंद रुपए दिए गए। आरोप लगाया कि विकास के नाम पर विनाश हो रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या के व्यापारियों को सरकार ने बर्बाद कर दिया है। सरकार से मांग है कि इन्हें मुआवजा दें। आसपास जहां जगह हो इन्हें स्थापित करे। मंदिर के चंदे से भी मदद करें। अखिलेश यादव ने कहा कि वह 27 जनवरी को अयोध्या जाएंगे और व्यापारियों का नुकसान देखेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार यूनिवर्सिटी भर्ती और एकेटीयू में हुए घोटाले पर जवाब दे। सरकार ने इन जगहों की भर्ती में भी आरक्षण की अनदेखी की है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि जातीय जनगणना कराएं। अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस की तरफ से भारत जोड़ो यात्रा का न्यौता अभी नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि भाजपा व कांग्रेस में ज्यादा फर्क नहीं है। दोनों एक ही हैं।

बनारस में नाव वाली डीजे पार्टी पर रोक, नाविकों को निर्देश

लाइफ जैकेट और ओवरलोडिंग का रखें ध्यान

साल 2022 को खत्म होने में महज दो दिन बचे हैं। इसके बाद नए साल 2023 का आगाज होगा। नए साल को लेकर बनारस में जगह-जगह पार्टी, नौकायन और विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ेगी। लिहाजा पुलिस की ओर से भी तैयारियां जारी है। इस संबंध में गुरुवार को पुलिस उपायुक्त काशी जोन आरएस गौतम ने नाविकों संग बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि 31 दिसंबर और एक जनवरी को किसी भी नाव पर डीजे पार्टी नहीं होनी चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि बिना लाइफ जैकेट के कोई भी नाव गंगा में सवारी ढोते न दिखे, नहीं तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नाविकों से ओवरलोडिंग का खास ध्यान रखने की अपील की। इस बैठक में सभी नाविक व नाव मालिकों को गंगा नदी में नाव संचालन के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपकरण व यात्रियों के सुरक्षा प्रबंध हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डीसीपी काशी जोन ने कहा कि नगर निगम द्वारा लाइसेंस में निर्गत क्षमता के अनुसार ही नाव में लोगों को बैठाएंगे। अपने- अपने नाव की निर्धारित क्षमता का बोर्ड लगाएंगे। नाव पर सुरक्षा के दृष्टि से सभी लाइफ जैकेट सहित सभी जीवन रक्षक उपकरण उपलब्ध रखेगें। निर्देश दिया गया कि कोई भी नाविक नशे की हालत में नाव का परिचालन नहीं करेगा। इसके साथ ही नाव पर किसी भी प्रकार का नशे का सामान नहीं रखेगा। नाविकों अपना-अपना पहचान पत्र रखना होगा। यदि किसी नाव संचालक उपरोक्त निदेर्शों का उल्लंघन करेगा तो विधिक कार्यवाही होगी। इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली, भेलूपुर, दशाश्वमेध एवं संबंधित प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्ष और चौकी प्रभारी, जल चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

उनको सलमान से दिक्कत है या राम से' मथुरा में सलमान खुर्शीद ने कहा- हम फ्रार की लिखी स्क्रिप्ट पर नहीं चलते

भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे चरण की शुरूआत से पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद गुरुवार को मथुरा पहुंचे। सलमान खुर्शीद और प्रदेश अध्यक्ष ब्रज लाल खाबरी का नेताओं ने स्वागत किया। इस दौरान सलमान खुर्शीद ने भाजपा पर बयान देते हुए कहा कि उनको सलमान से दिक्कत है या राम से। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण 3 जनवरी से शुरू होगा। 3 जनवरी को यात्रा उत्तर प्रदेश के लोनी से प्रवेश करेगी। 3 जनवरी को यात्रा लोनी में रहेगी। इसके बाद बागपत और शामली जायेगी। उत्तर प्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा 3 दिन रहेगी। इस यात्रा का उद्देश्य सीधे संपर्क कर अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाए। मीडिया से रूबरू होने के दौरान पत्रकारों ने सवाल किया कि कांग्रेस के संगठन की स्थिति अच्छी नहीं है। इस पर सलमान खुर्शीद ने कहा कि संगठन की स्थिति को देखते हुए कांग्रेस ने तय किया कि अध्यक्ष ऐसा हो जो पार्टी के लिए पूरा समय दे सकें। मलिकार्जुन खड़गे संगठन को मजबूत करने के लिए हमेशा प्रयासरत हैं और समय दे रहे हैं। मीडिया से मुखातिब हुए सलमान खुर्शीद ने कहा कि मजहब अलग हो सकते हैं लेकिन सभी मजहब समान हैं। उन्होंने भगवान राम का नाम लिया सम्मान दिया उनको ठेस क्यों लग रही है। महात्मा गांधी ने सीख दी कि भगवान सबके हैं हम उनकी सीख पर चलते हैं न कि भाजपा, आरएसएस की लिखी स्क्रिप्ट पर। हमारी संस्कृति में राम कृष्ण का क्या महत्व है यह किसी को बताने की जरूरत नहीं हैं।

लखनऊ में पुलिस ने हुक्का बार पर मारा छापा

आशियाना इलाके में पुलिस ने एक अवैध हुक्का बार में छापा मारा। छापेमारी के दौरान हुक्का बार से प्रतिबंधित सामग्री बरामद हुई। पुलिस टीम ने संचालक समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ महामारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। आशियाना इंस्पेक्टर अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि बुधवार रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र स्थित एसआरएम होटल रतनखण्ड में अवैध रूप से प्रतिबंधित हुक्का बार में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान 8 हुक्का सेट, 82 छोटे फ्लेवर के मसाले, 2 बडे पैकेट नशीले मसाले, 1 इलेक्ट्रिक हीटर, डेढ पैकेट व कोयले के गुटके 2 पैकेट माउथ डिस्पोजल, 1 इलेक्ट्रिोनिक एयर पम्प, 1 रखड की चिलम 1 अदद मिट्टी की चिलम, 1 चीनी मिट्टी की चिलम 7 चिमटी, 1 फ्लेवर काटने की कैची, 1 डिब्बी हुक्का फोइल रोल, 3 हुक्का नली बरामद हुए। पुलिस टीम ने ठाकुरगंज निवासी हुक्काबार संचालक अम्मार आब्दी और चित्रकूट पहाड़ी निवासी रोहित कुमार को गिरफ्तार किया। यह लोग काफी समय से बिना लाइसेंस हुक्का बार संचालित कर रहे थे।

संक्षिप्त

महिला शिक्षकों की समस्याओं का होगा प्राथमिकता के आधार पर निराकरण : आशीष पांडे

फिरोजाबाद, । जनपद में संचालित परिषदीय विद्यालयों में तैनात सभी महिला अध्यापिकाये अपने स्वाभिमान व जिम्मेदारी के साथ नौकरी करें। उन्हें अगर कोई भी परेशानी होती है तो तत्काल ही कार्यालय में सूचित करें। उनका किसी भी तरह से किसी भी दशा में उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उक्त बातें बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष पांडे ने महिला शिक्षक संघ से भेंट वार्ता के दौरान कहीं। उन्होंने कहां की महिलाएं डबल जिम्मेदारी निभाती हैं घर पर भी काम करती हैं और सरकार के द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन में पूरी भूमिका निभाती हैं। महिला शक्ति को लेकर उन्होंने बताया कि महिला ही एक ऐसी शक्ति होती है जिससे वह सारे कार्यों को आसानी से संपादित कर लेती है। महिला शिक्षक संघ की जिला अध्यक्ष रीमा सिंह यादव ने कहा कि महिलाओं की समस्या संगठन के लिए सर्वोपरि है संगठन के किसी भी सदस्य का शोषण का उत्पीड़न होता है उसके लिए संगठन हमेशा तत्पर रहेगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष पांडे से तमाम समस्याओं एनपीएस कटौती,एरियर भुगतान,अनावश्यक महिला शिक्षिकाओं का उत्पीड़न,सीसीएल, मेटरनिटी लीव का समय पर अनुमोदन आदि पर चर्चा की गयी। जिन्हें बीएससी द्वारा गहनता से सुनकर अपने सकारात्मक विचार साझा किये। इस अवसर पर नीति,सीमा रानी,साधना, अनीता, मधु, नीरज,सुमनलता,रेखा, संगीता,सुप्रिया, प्राची, रश्मि,गीतांजलि, अंजू,नीतू, गरिमा, अवनीश,दीप्ति, श्रेया, रेनू,अलका, दीपिका,प्रीति, विनीता मिली, सुनीता, डॉ. विनीता, सीमा,अनीता,रेणु,राखी, डॉ. वंदना, नीलम,पूनम, मधुलता,रितु,सुधा,अनामिका, अंशु आदि मौजूद रहीं।

बिना ओबीसी आरक्षण के निकाय चुनाव की परिकल्पना व्यर्थ -दुबे

लखनऊ, । राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने ओबीसी आरक्षण खत्म करने के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये भाजपा सरकार को आरक्षण खत्म करने के लिए पूरी तरीके से जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि बगैर ओबीसी आरक्षण के निकाय चुनाव की परिकल्पना भी व्यर्थ है। उत्तर प्रदेश सरकार ने साजिश के तहत उच्च न्यायालय में सही तथ्य जानबूझकर प्रस्तुत नहीं किये जिससे कि उत्तर प्रदेश के पिछड़ों को आरक्षण से वंचित किया जा सके। श्री दुबे ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अगर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का अनुपालन करते हुए ओबीसी आरक्षण की व्यवस्था को समय से निर्धारित किया होता तो ओबीसी

प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ प्रदेशव्यापी अभियान का आगाज

लखनऊ, । स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश ने प्रदेश में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए वृहद स्तर पर चार दिवसीय विशेष अभियान की शुरूआत मंगलवार से कर दी है। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात केदिशानिर्देशन में प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों एवं प्रवर्तन दल द्वारा पर्यावरण के लिए हानिकारक सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ छापेमारी का अभियान चलाया गया। वहीं, इस दौरान इसका प्रयोग करने वालों से भारी जुमार्ना भी वसूला गया। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने बताया कि केंद्रीय पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा दिए गए दिशानिदेर्शों के अनुसार सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ चार दिवसीय छापेमारी अभियान की शुरूआत हो गयी है। 30 दिसंबर तक चलने वाले इस अभियान के तहत सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग करने वालों पर भारी जुमार्ना लगाए जाने के साथ ही उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान के पहले दिन पटरी दुकानदारों व स्थानीय स्तर पर प्रतिबंधित प्लास्टिक का प्रयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर भारी जुमार्ना वसूला गया। वहीं,दूसरे दिन बुधवार को प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग करने वाले लोग दुकानदारों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। इसी तरह तीसरे दिन औद्योगिक क्षेत्र में अभियान चलाकर प्रतिबंधित प्लास्टिक का निर्माण करने वालों के खिलाफ छापेमारी कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं,चौथे दिन प्रदेश के सभी एयरपोर्ट एवं रेलवे स्टेशनों पर अभियान चलाया जाएगा। गौरतलब है,कि प्रदेश में सिंगल यूज प्लास्टिक (100 माइक्रॉन से कम)प्रतिबंधित है। इसी प्रतिबंध को प्रभावी बनाने के लिए विभाग द्वारा समय-समय पर अभियान चलाया जाता है। वहीं,दूसरी तरफ आम जनमानस को सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रभावों के बारे में सर्तक करने के साथ ही कागज एवं कपड़े के थैले का इस्तेमाल करने के लिए भी वृहद स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा चुका है। प्रमुख सचिव के आदेश पर प्रदेश के कई नगरीय निकायों में मंगलवार को कार्रवाई की गई। जिसमें जनपद मऊ के नगर पंचायत घोसी,नगर पालिका परिषद बलिया,नगर पंचायत अजमतगढ़, नगर पंचायत ठिरिया बरैल्ली में शासन की मंशा के अनुरूप प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक पर अभियान चलाकर छापेमारी की गई जिसमें, जुमार्ना भी वसूला गया।

बेटियां देश की ताकत : मोती सिंह

पट्टी,: । शिक्षा में उन्नयन की दिशा में स्मार्टफोन की सुविधा से बेटियां बेहतर शिक्षा प्राप्त कर रही हैं।प्रदेश की योगी सरकार की पहल पर बेटियों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने का अवसर मिल रहा है। इसी वजह से आज बेटियां विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ कर इतिहास रच रही हैं। अब बेटियां घर की जिम्मेदारियों के साथ अपनी प्रतिभा का निखार शिक्षा, स्वास्थ्य व रक्षा के क्षेत्र में कर रही हैं।यह विचार पूर्व कैबिनेट मंत्री मोती सिंह ने राजपति महाविद्यालय परमीपटी मैं आयोजित स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। पूर्व कैबिनेट मंत्री मोती सिंह ने कहा कि बेटी आज के परिवेश में दहेज मांगने की वस्तु नहीं बल्कि देश की ताकत के रूप में अपना स्थान बना रही हैं। अब बेटियों के जन्म पर परिवार में मातम नहीं खुशियां मनाई जाती है। वर्तमान सरकार ने बेटियों को अपने पैरों पर खड़ा होने की मुहिम छेड़ रखी है, जिससे आज उन्हें समाज में सम्मान मिल रहा है। इस दौरान 38 छात्र छात्राओं को स्मार्टफोन प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन राम प्रकाश पांडेय ने किया। विद्यालय के प्रबंधक सुरेंद्र पांडेय लल्लन ने आए हुए लोगों के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस दौरान प्रमुख रूप से राकेश कुमार सिंह ब्लाक प्रमुख पट्टी, राजकुमार सिंह,खेदन लाल जायसवाल नगर पंचायत अध्यक्ष पट्टी, पूर्व अध्यक्ष जुग्गीलाल जायसवाल,आशीष खंडेलवाल, बुदुल सिंह, रामआसरे शुक्ल, रामचरित्र वर्मा, राजेश पांडेय, वीरू सिंह, अशोक जायसवाल, कुंवर प्रशांत सिंह, विपिन सिंह,पप्पू गुप्ता, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजू सिंह, प्रधान प्रतिनिधि राजकुमार सिंह, इंद्रजीत पांडेय, विनोद ओझा, शेषमणि पांडेय, केशव पांडेय, अशोक सिंह प्रधान,अश्वनी दुबे, विजय सिंह सहित तमाम ग्राम प्रधान छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक मौजूद रहे।

आईसीसी टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड अवार्ड के लिए सूर्यकुमार सहित चार खिलाड़ी हैं दावेदार

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुष टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2022 अवॉर्ड के लिए चार खिलाड़ियों का चयन किया है। इसमें भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी शामिल हैं। सूर्यकुमार के अलावा इंग्लैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सैम करन जिम्बाब्वे के ऑफ स्पिन ऑलराउंडर सिकंदर रजा और पाकिस्तान के विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान भी इस अवार्ड के दावेदार हैं।

सूर्यकुमार

सूर्यकुमार ने इस साल शानदार प्रदर्शन करते हुए आईसीसी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया है। उन्हें अपने इस प्रारूप में एक वर्ष में 1000 से अधिक रन बनाये हैं। इसके साथ ही उन्होंने 46.56 की औसत से 187.43 की स्ट्राइक रेट से 1164 रन अपने नाम किये हैं। इस साल सूर्यकुमार ने सबसे ज्यादा 68 छक्के भी लगाये। साथ ही 2 शतक 9 अर्धशतक भी उनके नाम हैं।

रजा

जिम्बाब्वे के रजा ने भी इस साल जमकर रन बनाये। उन्होंने बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया में हाल में हुए टी20 विश्व कप में रजा ने जमकर रन बनाये। उन्होंने 150 से अधिक की स्ट्राइक रेट से साल में 735 रन बनाए और 6.13 की इकॉनमी रेट से 25 विकेट लिए। टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान पर जिम्बाब्वे की शानदार जीत में उनका अच्छा प्रदर्शन रहा।

कुरेन

कुरेन ने इस साल डेथ बॉलिंग की गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। इंग्लैंड के प्रमुख तेज गेंदबाजों के शामिल नहीं होने के बाद भी उन्होंने टी20 विश्वकप में टीम के लिए शानदार प्रदर्शन कर 13 विकेट लिए। टूर्नामेंट में अफगानिस्तान के खिलाफ उन्होंने 10 रन देकर 5 विकेट लिए थे। यह उनका सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा था साथ ही इंग्लैंड के किसी गेंदबाज द्वारा भी टी20 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन साबित हुआ। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने फाइनल में तीन विकेट लेकर इंग्लैंड के लिए अपना दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई। मेलबर्न में पाक के खिलाफ फाइनल में कुरेन ने अपने चार ओवरों में सिर्फ 12 रन दिए और तीन विकेट लिए।

रिजवान

रिजवान ने इस साल टी20 में 10 अर्धशतक लगाए और टी20 विश्व कप में भी 175 रन बनाए। यह पाकिस्तान के बल्लेबाज द्वारा संयुक्त रूप से सबसे अधिक है। इस साल टी20 में 45.27 की औसत से रिजवान ने रन बनाये हैं। वह आईसीसी रैंकिंग में 836 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे नंबर पर रहे।

रोहित-विराट सहित छह खिलाड़ियों को अब टी20 टीम में जगह नहीं मिलेगी

मुम्बई (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा से सह साफ हो गया है कि अगले टी20 विश्वकप में रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित छह 6 दिग्गज खिलाड़ियों को टीम में जगह नहीं मिलेगी। अगला टी20 विश्वकप 2024 में होगा और ऐसे में ये अनुभवी खिलाड़ी उम्रदराज हो जाएंगे।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई और चयनकर्ताओं ने 6 अनुभवी खिलाड़ियों को यह साफ संदेश दे दिया है कि अब उनकी टी20 में जगह नहीं बनती है। इन क्रिकेटरों में रोहित विराट और भुवनेश्वर कुमार के अलावा आर अश्विन मोहम्मद शमी और दिनेश कार्तिक भी शामिल हैं।

बीसीसीआई की ओर से कहा गया 'अब हम 2024 टी20 वर्ल्ड कप को लेकर प्लान बना रहे हैं। हमारे कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो 35-36 साल के हैं और ऐसे में वो भविष्य की योजनाओं में फिट नहीं बैठते। अगर हम अभी अपनी टीम बनाना शुरू नहीं करेंगे तो फिर कब बनाएंगे। ऐसे में हमने कड़े फैसले लिए हैं. और सीनियर खिलाड़ियों को यह बता दिया है कि अब वो टी20 क्रिकेट के लिहाज से हमारी योजन का हिस्सा नहीं रहेंगे।'

बीसीसीआई ने भले ही 6 खिलाड़ियों को यह संदेश दिया है कि अब उनकी टी20 टीम में जरूरत नहीं है। इसमें से 4 के लिए तो हमेशा के लिए ही भारतीय टी20 टीम के दरवाजे बंद हो गए हैं। इनमें आर अश्विन मोहम्मद शमी दिनेश कार्तिक और भुवनेश्वर कुमार के नाम हैं। इनकी अब भारतीय टी20 टीम में वापसी नहीं होगी। अभी रोहित और विराट पूरी तरह बाहर नहीं हुए हैं। यह योजना का हिस्सा तो होंगे पर अब टी20 टीम में इन्हें अवसर कम ही मिलेंगे।

बीसीसीआई ने रोहित-विराट को भी यह जानकारी दे दी है कि अब बीसीसीआई भविष्य की तरफ देख रही है. केएल राहुल को भी साफ बता दिया कि वो टी20 टीम की योजना न में फिट नहीं बैठते हैं। आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत को भले ही श्रीलंका के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए चुनी गई टीम में जगह नहीं मिली है पर वो 2024 में होने वाले टी20 विश्व कप की योजना का हिस्सा हो सकते हैं।

दक्षिण अफीका की हार से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए टीम इंडिया की संभावनाएं बढ़ीं

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम घरेलू धरती पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफमिली बड़ी जीत से आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंकतालिका में 78.57 फीसदी अंकों के साथ ही शीर्ष पर पहुंच गयी है। वहीं भारतीय टीम दूसरे स्थान पर है हालांकि दोनो के बीच अंकों का बड़ा अंतर है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल शीर्ष की दो टीमों के बीच खेला जाएगा।

अफ्रीकी टीम की इस हार से भारतीय टीम को टेस्ट चैम्पियनशिप में बड़ा फायदा हुआ है। टीम इंडिया ने भी हाल ही में बांग्लादेश को दो टेस्ट की सीरीज में 2-0 से हराया था। इससे भारतीय टीम टेस्ट चैम्पियनशिप अंक तालिका में दूसरे नंबर पर कायम है। दक्षिण अफ्रीका की हार से भारतीय टीम की स्थिति और बेहतर हुई है। अभी उसकी जीत का प्रतिशत 58.93 है.

वहीं दक्षिण अफ्रीकी टीम इस हार के बाद चौथे नंबर पर खिसक गयी है। उसकी जीत का प्रतिशत घटकर 50 रह गया है। अंक तालिका में तीसरे

नंबर पर श्रीलंकाई टीम कायम है। उसका जीत प्रतिशत 53.33 हैं। अब भारतीय टीम को अपनी अगली सीरीज घर में ही ऑस्ट्रेलिया से खेलनी है। इस 4 टेस्ट की सीरीज को जीतने के साथ ही भारतीय टीम की फाइनल में पहुंचने की दावेदारी बढ़ जाएगी। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का यह दूसरा सत्र 2021 से 2023 तक चलेगा। टेस्ट चैम्पियनशिप के पहले सीजन में न्यूजीलैंड टीम विजेता बनी थी। भारतीय टीम को फाइनल में जगह बनाने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफसीरीज जीतनी होगी पर अगर भारतीय टीम हारती है या सीरीज ड्रॉ रहती है तो उसे मुश्किल होगी तब उसे श्रीलंका ओर दक्षिण अफ्रीका सीरीज के परिणामों पर नजर रखनी होगी।

ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को करारी शिकस्त देकर श्रृंखला जीती, श्रृंखला में 2-0 से आगे

मेलबर्न। (एजेंसी)। स्पिनर नाथन लियोन ने 58 रन देकर तीन विकेट लिए जिससे ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन गुरुवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को पारी और 182 रन से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई। ऑस्ट्रेलिया अब चार जनवरी से सिडनी में होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में जीत दर्ज करके श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने की कोशिश करेगा। दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 385 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया और उसकी पूरी टीम 204 रन पर आउट हो गई।

तेंबा बावुमा ने दक्षिण अफ्रीका की तरफ से दूसरी पारी में सर्वाधिक 65 रन बनाए लेकिन इस बीच उनके कारण दो खिलाड़ियों को रन आउट होकर पवेलियन लौटना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2005-06 के बाद पहली बार घरेलू श्रृंखला जीती है। इस बीच दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट श्रृंखलाएं जीती थी। दक्षिण अफ्रीका ने एक विकेट पर 15 रन से आगे खेलते हुए सुबह के सत्र में तीन विकेट गंवाए। उंगली में चोट से उबर रहे मिशेल स्टार्क ने सारेल एरवी (21) को तेज यार्कर पर पगबाधा आउट करके ऑस्ट्रेलिया को सुबह पहली सफलता दिलाई, जिससे स्कोर दो विकेट पर 47 रन हो गया।

इसके 10 रन बाद तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड

ने थ्यूनिस डी ब्रुइन (28) को दूसरी स्लिप में कैच कराया जबकि खाया जोंडो (एक) के रन आउट होने से स्कोर चार विकेट पर 65 रन हो गया। बावुमा और काइल वेरिन (33) ने पांचवें विकेट के लिए 63 रन जोड़े। बोलैंड (49 रन देकर दो) ने लंच के बाद चौथे ओवर में वेरिन को पगबाधा आउट करके यह साझेदारी तोड़ी। पहली पारी में अर्धशतक जड़ने वाले मार्को जेनसन (पांच) को लियोन ने पगबाधा आउट किया। बावुमा ने केशव महाराज (13) को वापस भेज कर रन आउट कराया। उन्होंने इसके बाद लियोन पर स्लॉग शॉट खेलकर मिड ऑन पर आसान कैच दिया।

लियोन ने इसके बाद कैगिसो रबाडा (तीन) के रूप में अपना तीसरा विकेट लिया। एनरिक नोर्किया (नाबाद आठ) और लुंगी एनगिडी (19) ने अंतिम विकेट के लिए 27 रन जोड़कर दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। मध्यम गति के गेंदबाज कैमरन ग्रीन के पांच विकेट की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 189 रन पर समेट दिया था। ऑस्ट्रेलिया ने इसके जवाब में सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर के 200 रन और एलेक्स कैरी के 111 रन की मदद से अपनी पहली पारी आठ नौ विकेट 575 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी।

टीम में जगह नहीं मिलने से दुखी पृथ्वी ने प्रोफाइल फोटो हटाई

मुम्बई। युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अपनी उपेक्षा से नाराज हैं। पृथ्वी को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज के लिए भी टीम में जगह नहीं मिली है। भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलनी है। पृथ्वी ने टीम में जगह नहीं मिलने पर अपनी निराशा सोशल मीडिया के जरिये जाहिर की है। 3 जनवरी से श्रीलंका के खिलाफ होने वाली घरेलू टी20 सीरीज के लिए टीम में पृथ्वी को अवसर नहीं दिया गया है। इसमें ऋतुराज गायकवाड और शुभमन गिल को ओपनर के तौर पर रखा गया है। जबकि इससे पहले चयनकर्ताओं ने न्यूजीलैंड और बांग्लादेश दौरे के लिए टीम चयन के समय कहा था कि पृथ्वी को इस सीरीज में अवसर मिलेगा। अब अवसर ना मिल पाने के बाद इस युवा ने इंस्टाग्राम पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। श्रीलंका के खिलाफ घर पर खेली जाने वाली टी20 सीरीज में पृथ्वी को टीम में जगह मिलने की उम्मीद थी पर टीम में नाम नहीं आने के बाद उन्होंने इंस्टाग्राम से अपनी प्रोफाइल फोटो हटाई। इसके बाद उन्होंने कुछ वीडियो को स्टोरी में डाला जो उनके मन की बात बताते नजर आए। एक वीडियो में से एक में संदेश था अगर जो कोई इंसान मुस्कुरा रहा है तो इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं कि वो खुश है।

ऋषभ पंत को बहुत मौके मिल गए, अब उसे सिर्फ टेस्ट पर ध्यान देना होगा : गंभीर

नई दिल्ली। सीमित ओवरों की आगामी सीरीज के लिए भारत की टीम की सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक ऋषभ पंत का वनडे और टी20 से बाहर होना है। अब पंत का भविष्य काले बादलों के नीचे है। 2022 में, पंत ने 25 अ20द्ध में 132.84 के स्ट्राइक-रेट से 21.41 की औसत से 364 रन बनाए। इस साल 12 वनडे मैचों में उन्होंने 37.33 की औसत और 96.55 की स्ट्राइक रेट से 336 रन बनाए। लेकिन टेस्ट में पंत अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रहे हैं, उन्होंने 12 पारियों में 61.81 की औसत और 90.90 की स्ट्राइक-रेट से 680 रन बनाए हैं। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का मानना है कि पंत को लाल गेंद के क्रिकेट पर ध्यान देने की जरूरत है, जबकि वह सफेद गेंद के क्रिकेट में जगह बनाने का इंतजार करें। गंभीर ने भारत के आगामी श्रीलंका दौरे के आधिकारिक प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित एक बातचीत के दौरान कहा, 'इसलिए वह दोनों टीमों का हिस्सा नहीं है। उसका टेस्ट की तुलना में सीमित ओवरों के प्रारूप में प्रदर्शन उतना महान नहीं हैं। इसलिए इशान किशन, संजू सैमसन, केएल राहुल जैसे लोग, जिन्होंने वनडे में विकेट कीपिंग की है, वे अब ऋषभ पंत से आगे हैं। इशान किशन को देखिए, जब उन्हें मौका मिला, तो उन्होंने वनडे में दोहरा शतक बनाया, तो कैसे क्या आप उसके जैसे किसी को नज़रअंदाज कर सकते हैं?'

रणजी ट्रॉफी: कर्नाटक ने गोवा के 8 विकेट झटके, पहली पारी में विशाल बढ़त की ओर अग्रसर

पोरवोरिम (एजेंसी)। गोवा के तीन बल्लेबाजों के अर्धशतकों के बावजूद कर्नाटक रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी के मैच के तीसरे दिन बृहस्पतिवार को पहली पारी में विशाल बढत लेने के करीब पहुंच गया। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर गोवा ने आठ विकेट पर 321 रन बना लिये थे। कप्तान दर्शन मिशाल 134 गेंद में 66 रन बनाकर खेल रहे थे। इससे पहले कर्नाटक ने पहली पारी सात विकेट पर 603 रन के विशाल स्कोर पर घोषित की।

कल के स्कोर एक विकेट पर 45 रन से आगे खेलते हुए गोवा के लिये सुयश प्रभुदेसाई ने 165 गेंद में 12 चौकों की मदद से 87 रन बनाये जबकि सुमिरन अमोनकर ने 30 रन की पारी खेली। प्रभुदेसाई ने स्नेहल कौठांकर (21) के साथ अर्धशतकीय साझेदारी भी निभाई। प्रभुदेसाई और केडी एकनाथ (पांच) के

आउट होने के बाद सिद्धेश लाड (63) और कप्तान दर्शन मिशाल ने छठे विकेट के लिये 65 रन जोड़े। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर मिशाल के साथ लक्ष्य गर्ग (नाबाद 20) खेल रहे थे।

थुम्बा में एक अन्य मैच में केरल के खिलाफ छत्तीसगढ ने पहली पारी में पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी की कोशिश की। कप्तान हरप्रीत सिंह भाटिया ने 228 गेंद में 12 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 152 रन बना लिये हैं। दूसरे बल्लेबाजों से उन्हें मदद नहीं मिल सकी। केरल ने छत्तीसगढ को 287 रन पर आउट करके 125 रन की बढत बना ली।

इससे पहले छत्तीसगढ के 149 रन के जवाब में केरल ने 311 रन बनाये थे। जमशेदपुर में सेना के 367 रन के जवाब में झारखंड ने पहली पारी आठ विकेट पर 551 रन पर घोषित की। सौरभ तिवारी ने 165 और कुमार सूरज ने 83 रन बनाये। सेना ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 22 रन बना लिये थे।

रणजी ट्रॉफी : धवन और वशिष्ठ की साझेदारी ने उत्तराखंड को किया परेशान

देहरादून (एजेंसी)। खराब मौसम और हिमाचल प्रदेश के मध्यक्रम के बल्लेबाजों आकाश वशिष्ठ और रिषि धवन ने उत्तराखंड के गेंदबाजों को परेशान करते हुए रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए मैच के तीसरे दिन हिमाचल को चार विकेट पर 327 रन तक पहुंचा दिया। पहली पारी में 49 रन पर आउट होने के बाद उत्तराखंड के 336 रन के जवाब में हिमाचल पारी से हार की कगार पर था। दूसरी पारी में हालांकि उसने अपनी बल्लेबाजी में कमाल दिखाया और अब सिर्फ 40 रन पीछे है।

कल के स्कोर चार विकेट पर 277 रन से आगे खेलते हुए हिमाचल ने कोई विकेट नहीं गंवाया। वशिष्ठ अपने शतक से आठ रन पीछे है जबकि धवन ने अर्धशतक पूरा कर लिया। खराब रोशनी के कारण तीसरे दिन 14 ओवर ही फेंके जा सके। दोनों अब तक 144 रन की साझेदारी कर चुके हैं। कटक में हरियाणा के 338 रन के जवाब में ओडिशा ने 414 रन बनाकर बढत ले ली। कार्तिक बिस्वाल ने 101 रन बनाये। हरियाणा के लिये युजवेंद्र चहल ने 107 रन देकर तीन विकेट लिये। तीसरे दिन के आखिर में हरियाणा ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 119 रन बना लिये थे। सोविमा में बंगाल ने नगालैंड को एक पारी और 161 रन से हराया। नगालैंड के 166 रन के जवाब में बंगाल ने पहली पारी चार विकेट पर 450 रन पर घोषित की थी। नगालैंड की टीम दूसरी पारी में 123 रन पर आउट हो गई। वडोदरा में उत्तर प्रदेश के 258 रन के जवाब में बड़ौदा ने 249 रन बनाये। उत्तर प्रदेश की टीम दूसरी पारी में 177 रन ही बना सकी। बड़ौदा ने चार विकेट 72 रन पर खो दिये और वह अभी भी 115 रन पीछे है।

विश्वकप के बाद पहला मैच खेल रहे नेमार को मिला लाल कार्ड

पेरिस। विश्वकप के बाद अपना पहला मैच खेल रहे ब्राजील के स्टार नेमार को पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की स्ट्रासबर्ग के खिलाफ 2-1 से जीत के दौरान लाल कार्ड का सामना करना पड़ा।

नेमार को 61वें मिनट में स्ट्रासबर्ग के मिडफील्डर एड्रियन थॉमसन को पकड़ने पर पहला पीला कार्ड मिला। इसके एक मिनट बाद गलत तरीके से डाइव लगाने पर उन्हें दूसरी चेतावनी के तौर पर लाल कार्ड मिला। इस फारवर्ड ने रेफरी क्लेमेंट टरपिन से बहस भी की लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। नेमार को 2017 में पीएसजी से जुड़ने के बाद पांचवी बार लाल कार्ड मिला है। इसके कारण वहां रविवार को लेंस के खिलाफ होने वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे। फ्रांसीसी लीग में 2017-2018 के बाद किसी भी खिलाड़ी को इतनी अधिक बार बाहर नहीं किया गया। ब्राजील को कतर में खेले गए विश्वकप के क्वार्टर फाइनल में क्रोएशिया से हार का सामना करना पड़ा था जिसके बाद नेमार की आंखें छलक आई थी।

कार्लसन नें जीता चौंथा विश्व रैपिड का खिताब, भारत के अर्जुन को पाँचवाँ स्थान

अल्माटी, कजाकिस्तान। नॉर्वे के विश्व क्लासिकल शतरंज चैम्पियन मेगनस क्वार्लसन नें आखिरी राउंड में ईरान के परहम मघसूदलू को पराजित करते हुए 13 राउंड के बाद 10 अंक बनाकर विश्व रैपिड का खिताब और स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। कार्लसन का यह चौंथा विश्व रैपिड खिताब है इससे पहले वह 2014,2015 और 2019 में यह खिताब जीत चुके है। जर्मनी के विन्सेंट केमर 9.5 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर रजत तो यूएसए के फबियानों करूआना कांस्य पदक जीतने में सफल रहे। भारतीय खिलाड़ियों में 9 अंक बनाकर अर्जुन एरिगासी नें पाँचवाँ स्थान हासिल किया तो 8.5 अंक बनाकर निहाल सरीन नौवे स्थान पर रहे। विदित गुजराती 8.5 अंक बनाकर 15वें स्थान पर रहे।

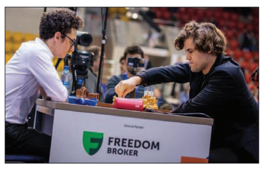

ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरस्कार राशि में इजाफा, विजेता को मिलेंगे लगभग 3 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियन ओपन ने 2023 के पहले ग्रैंड स्लैम में कुल पुरस्कार राशि को बढ़ाकर 76.5 मिलियन डॉलर कर दिया है। इसका मतलब है कि पुरुष और महिला एकल के विजेता प्रत्येक को 2.97 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर इनाम के रूप में मिलेंगे जो उपविजेता खिलाड़ियों (16.25 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर) से काफी अधिक है। आयोजकों ने गुरुवार को यहां घोषणा की पुरस्कार में 3.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी का परिणाम है कि कुल पुरस्कार राशि 100 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट के निदेशक क्रेग टिले ने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई टेनिस समर की निरंतर सफलता के लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम मजबूत और प्रासंगिक खेलने के अवसर प्रदान करें और सुनिश्चित करें कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को उचित इनाम दिया जाए। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया वैश्विक सत्र के लिए लॉन्चपैड है और जितना संभव हो उतना करने की कोशिश करते हैं। वे हम सभी को इस महान खेल में शामिल होने के साथ-साथ भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए प्रेरित करते हैं।'

पुरस्कार राशि में वृद्धि सभी स्तरों पर है और वसीयत में हारने वाला खिलाड़ी 106,250 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर लेकर जाएगा। क्वालीफाइंग और युगल टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को भी 12 महीने पहले की तुलना में अधिक भुगतान मिलेगा। क्रेग टिली ने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई गर्मियों में पुरस्कार राशि के रूप में 100 मिलियन डॉलर से अधिक पाकर हम बहुत खुश हैं, साथ ही देश भर में प्रतिस्पर्धा करने के अधिक अवसर भी हैं। हमने रोमांचक नए यूनाइटेड कप को लॉन्च करने के लिए एटीपी और डब्ल्यूटीए के साथ अथक परिश्रम किया है जिसमें शामिल अपने स्वयं के महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक और पुरस्कार राशि, एडिलेड में दो डब्ल्यूटीए और एटीपी कार्यक्रम, होबार्ट इंटरनेशनल और कैनबरा में एक उन्नत एटीपी 100 चैलेंजर शामिल है।

उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हमने क्वालीफाइंग से लेकर फाइनल तक हर दौर के लिए पुरस्कार राशि बढ़ा दी है, शुरुआती दौर में बड़ी बढ़ोतरी के साथ, जहां ये पर्याप्त पुरस्कार खिलाड़ियों को अपने करियर में निवेश करने में मदद करते हैं और कई मामलों में खुद को स्थापित करते हैं। साल भर सफलता के लिए तैयार रहें। नवीनतम गणना के अनुसार, एकल टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल चरण या उससे बेहतर स्तर पर पहुंचने वाले खिलाड़ियों की कमाई कम से कम आधा मिलियन होगी।

ग्रैंड स्लैम में पुरस्कार राशि 2013 से 155त्न बढ़ गई है जब टैली 30 मिलियन

डॉलर थी। इसके अलावा 2007 में टाइली के टूर्नामेंट निदेशक बनने के बाद से पूल में 283 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। फिर भी ऑस्ट्रेलियन ओपन अपनी बढ़ोतरी में काफी रूढ़िवादी है क्योंकि विंबलडन और यूएस ओपन आम तौर पर वर्ष की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि होने के गौरव के लिए संघर्ष कर रहा है।

शोएब और सानिया 'द मिर्जा मलिक शो' में एकसाथ दिखे

लाहौर। भारतीय महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और उनके पति व पाक क्रिकेटर पति शोएब मलिक के बीच पिछले काफी दिनों से तलाक की खबरें चर्चाओं में बनी हैं। वहीं इसी बीच एक बार ये दोनो फिर एकसाथ नजर आये हैं। इससे इनके तलाक की खबरें गलत साबित हुई हैं। यह दोनो ही एक शो की मेजबानी के दौरान एकसाथ दिखे। इस शो का नाम 'द मिर्जा मलिक शो' है। इसके पहले संस्करण को काफी पसंद किया गया था। अब उनके शो के आने वाले संस्करण का का प्रोमो आया है। इस प्रोमो में शोएब और सानिया का बिंदास और मस्तीभरा अंदाज दिखा है। इसमें मेहमान कलाकार के तौर पर पाक अभिनेता हमायूं सईद भी शामिल होंगे। हुमायूं ने नेटफ्लिक्स ऑरिजनल सीरीज 'द क्राउन' में डा. हसनत खान की भूमिका निभाई थी। उन्होंने सीरीज के पांचवें सत्र में प्रिसेंज डायना के बॉयफ्रेंड डा. हसनत खान की भूमिका निभाई थी। प्रोमों में देखा जा सकता है कि शोएब मलिक कहते हैं आप प्रिंसेस डायना के बेहद करीब नजर आए। हुमायूं ने हंसते हुए जवाब दिया उसी की स्ट्रगल कर रहा था। इस पर सानिया ने तपाक से पूछा कुछ आया रिस्पांस। हुमायूं ने जवाब दिया हां मुझे लोगों से बहुत प्रतिक्रियाएं मिलीं। एक गेम सेगमेंट में शोएब ने कुछ शब्द कहे जो एक गाने के बोल थे और सानिया और हुमायूं को गाने का अंदाजा लगाना था।

देश में कांग्रेस का इतिहास खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है: जगदीश ठाकोर

अहमदाबाद। गुजरात चुनाव नतीजों के बाद आज प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर की अध्यक्षता में गांधीनगर जिला-शहर समिति की पहली कारोबारी बैठक हुई। बैठक में जगदीश ठाकोर ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाया और कहा कि देश में कांग्रेस का इतिहास खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। आजादी के दौरान इससे भी ज्यादा खराब समय था। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्ष से देश में हिन्दू-मुसलमान छोड़ और कोई मुद्दा नहीं है। भाईचारे के मुद्दे को खत्म कर दिया गया है। धन बल और पुलिस बल पर चुनाव जीते जा रहे हैं। महात्मा गांधी राजीव गांधी और इंदिरा गांधी की हत्या की गई थी। आजादी से पहले सरदार पटेल की भी हत्या का प्रयास किया गया था। इन हत्याओं के प्रणेता कौन थे इसका अध्ययन करना चाहिए। कांग्रेस ने आजादी के पहले कभी मृत्यु की चिंता नहीं की थी। कांग्रेस के नेतृत्व में भारत विश्वसत्ता बना है। उन्होंने कहा कि आज किसी को बोलने का अधिकार नहीं है। सरकार से कोई सवाल नहीं कर सकता। पेपर लीक हो और युवा गांधीनगर में आकर सरकार से सवाल नहीं पूछ सकते ऐसा माहौल पैदा किया गया है। गुजरात चुनाव में हार को लेकर जगदीश ठाकोर ने कहा कि जीतने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को लगाया गया था। उन्होंने कहा कि चालू चुनाव के दौरान पुलिस काम बंद करने का धमकियां देती थी। जगदीश ठाकोर ने कहा कि गुजरात में भी भारत जोडो यात्रा का आयोजन किया जाएगा। प्रति बूथ पदयात्रा का आयोजन होगा। मार्च के अंत तक प्रति बूथ भारत जोडो यात्रा होगी और लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस जनसंपर्क शुरू करेगी। यह आयोजन आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। प्रत्येक यात्रा में 10 जितने स्थानीय नेता शामिल होकर

जनता के साथ संवाद करेंगे। गौरतलब है गुजरात विधानसभा के हाल में संपन्न हुए चुनाव में कांग्रेस की शर्मनाक हार हुई थी। गुजरात विधानसभा चुनाव में 149 सीटें जीतने के कांग्रेस के रिकार्ड को ध्वस्त करते हुए भाजपा ने 156 सीटों पर जीत का परचम लहराया। जबकि कांग्रेस के खाते में केवल 17 सीटें आईं। गुजरात चुनाव में हार के बाद कांग्रेस में बैठकों का दौर शुरू हो गया है और आज जगदीश ठाकोर की अध्यक्षता में गांधीनगर जिला-शहर समिति की पहली कारोबारी की बैठक हुई।

कोरोना की संभावित लहर से पहले सरकार सक्रिय केन्द्र से मांगा वैक्सीन का बड़ा स्टॉक

सूरत। सचिन पुलिस ने सूरत क्राइम ब्रांच का कर्मचारी होने की पहचान देकर चाय की टपरी वाले से रुपए ऐंठने का प्रयास कर रहे एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शख्स के पास से मोटर साइकिल और नकद समेत रु. 1.23 लाख माल-सामान भी जब्त कर लिया। जानकारी के मुताबिक सूरत की सचिन पुलिस गश्त पर थी। उस वक्त पुलिस को सूचना मिली कि सचिन हाजीवाला के निकट चाय की टपरी पर बैठा एक शख्स खुद को क्राइम ब्रांच का कर्मचारी बता रहा है और पुलिस विभाग की ओर से चाय की दुकान दिलाने के लिए रु. 3500 मांग रहा है। सूचना के आधार पर सचिन पुलिस चाय की टपरी पर पहुंच गई और बाइक पर बैठे युवक से पूछताछ शुरू कर दी। मोहमद इल्यास बांगी नामक युवक से पुलिस ने जब आई कार्ड मांगा तो उसने बताया कि अभी आई कार्ड बना नहीं है। इस जवाब के बाद पुलिस ने मोहमद से सख्ती से पूछताछ की जिसमें उसने बताया कि वह पुलिस विभाग में नौकरी नहीं करता। लेकिन उसे पुलिस की नौकरी करने का शौक है और इसीलिए वह खाखी रंग की पैंट बेल्ट और बाइक में डंडा लगाकर घूमता है। इतना ही नहीं अपने बाल भी पुलिस जवान की तरह ही कटवाए हैं। पुलिस ने मोहमद इल्यास की गिरफ्तारी के साथ ही उसके पास से रु. 86590 नकद मोटर साइकिल और मोबाइल समेत रु. 1.23 लाख का माल-सामान जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी।

राज्य के 29 नए केन्द्रों पर श्रमिक अन्नपूर्णा योजना का प्रारंभ ई-निर्माण कार्ड से मिलेगा भोजन

अहमदाबाद। राज्य में निर्माण क्षेत्र से जुड़े श्रमिकों और उनके परिजनों के आज नए 29 श्रमिक अन्नपूर्णा योजना का शुभारंभ किया गया। इसके अंतर्गत अहमदाबाद में 28 और गांधीनगर में 1 केन्द्र पर श्रमिक अन्नपूर्णा योजना शुरू की गई है। इसी के साथ राज्यभर में कुल 51 श्रमिक अन्नपूर्णा योजना केन्द्र कार्यरत हो गए हैं। इन सभी केन्द्रों पर ई-निर्माण कार्ड से श्रमिकों को भोजन उपलब्ध होगा। केन्द्र पर आनेवाला कोई भी श्रमिक अपने ई-निर्माण कार्ड का क्यूआर कोड स्कैन करवाने के बाद 5 रुपए में टोकन प्राप्त कर स्थल पर या टिफिन में एक समय का भोजन प्राप्त कर सकेगा। जिन लाभार्थियों के पास ई-निर्माण कार्ड नहीं होगा उनके लिए केन्द्र पर ही निर्माण श्रमिक अस्थायी पंजीकरण करवाकर 15 दिन तक भोजन प्राप्त कर सकेगा। निर्माणस्थल पर 50 से अधिक श्रमिक अगर इस योजना का लाभ पाना चाहते हैं तो उन्हें स्थल पर ही श्रमिक अन्नपूर्णा योजना के तहत भोजन पहुंचाने की भी व्यवस्था की गई है। इन 29 केन्द्रों पर मासिक 75 हजार जितने श्रमिकों को भोजन वितरण किया जाएगा। इससे पहले अहमदाबाद में 19 और गांधीनगर में 3 केन्द्रों पर श्रमिक अन्नपूर्णा योजना कार्यरत थी। आज अहमदाबाद में नए 28

और गांधीनगर में 1 के साथ राज्यभर में अब कुल 51 श्रमिक अन्नपूर्णा योजना केन्द्र कार्यरत हो गए हैं। 8 अक्टूबर सेआज तक 1.84 लाख से भी अधिक श्रमिकों ने इस योजना के तहत भोजन प्राप्त किया है। श्रमिक योजना के अंतर्गत 2016 से अब तक कुल 1.16 करोड़ श्रमिकों को भोजन वितरण किया गया। ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंद लोग इसका लाभ लें और उन्हें कम से कम एक समय पौष्टिक भोजन उपलब्ध हो इस उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई है। इस योजना के नियंत्रण और संचालन के लिए एक पोर्टल बनाया गया है और इसके जरिए निर्माण क्षेत्र के श्रमिकों को टोकन दिया जाता है। आगामी समय में राज्य के विभिन्न महानगरों में श्रमिक अन्नपूर्णा योजना के तहत नए केन्द्र शुरू करने पर विचार किया जा रहा है।

भारतीय सेना ने पहली 3डी-प्रिंटेड आवासीय इकाई का उद्घाटन किया

गांधीनगर । भारतीय सेना ने अपने जवानों के लिए अहमदाबाद छावनी में पहली 3डी-प्रिंटेड आवासीय इकाई का उद्घाटन किया। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। 3डी प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी में जटिल सॉफ्टवेयर और एक रोबोटिक इकाई का इस्तेमाल होता हैं जो एक डिजिटल मॉडल से विभिन्न स्तरों के माध्यम से कोई ढांचा बनाने में मददगार होती है। मंत्रालय ने कहा ''भारतीय सेना ने अहमदाबाद छावनी में अपने जवानों के लिए 28 दिसंबर को अपनी पहली 3डी-प्रिंटेड आवासीय इकाई का उद्घाटन किया। सेना ने बयान में कहा आवासीय इकाई का निर्माण सैन्य आभियांत्रिकी सेवा (एमईएस) ने अत्याधुनिक 3डी त्वरित निर्माण प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए मीकॉब प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर किया है। अधिकारियों ने बताया कि 71 वर्ग मीटर क्षेत्र में आवासीय इकाई का निर्माण कार्य 3डी प्रिंटेड नींव दीवारों और स्लैब का इस्तेमाल कर केवल 12 सप्ताह में पूरा किया गया जिसमें गैराज भी शामिल है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा ''आपदा रोधी ढांचे के निर्माण में जोन-3 संबंधी भूकंप रोधी नियमों और हरित भवन निर्माण नियमों का पालन हुआ है। 3डी प्रिंटेड भवन आधुनिक समय में त्वरित निर्माण प्रयासों का प्रतीक हैं जो सशस्त्र बलों के कर्मियों की बढ़ती आवास जरूरतों को पूरा करेगा।

यह संरचना 'आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूत करने की सेना की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। बयान के अनुसार अहमदाबाद स्थित सेना के गोल्डन कतार विभाग ने परियोजना के क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाई है। सूत्रों ने कहा था कि सेना ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर आधुनिक 3डी प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए 'स्थायी रक्षात्मक ढांचों के निर्माण की परिकल्पना की है। यह कदम रक्षा तैयारियों को उन्नत करने के साथ ही समय बचाने वाला भी होगा।

"किशोरी उत्कर्ष पहल" के तहत प्रारंभिक स्तर पर प्रमुख 02 ऑपरेशन की शुरुआत।

हमारे समाज में किशोरियां देश के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में योगदान करने में असमर्थ हैं। लेकिन जानकारी के अभाव में और उनके जीवन को प्रभावित करने वाले विभिन्न मुद्दों पर सीमित अवसरों के कारण, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, किशोरियों को कई सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जबकि किशोरियों के लिए यह बहुत आवश्यक है कि वे विभिन्न विषयों पर आत्म-जागरूकता प्राप्त करें। गुणात्मक प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता निर्माण और दैनिक जीवन में होने वाली किसी भी अनैच्छिक समस्या का सामना करने के लिए खुद को तैयार करना। वर्तमान में जिले की सभी इच्छुक किशोरियों को प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, अच्छा पोषण, कौशल विकास, विशिष्ट अधिकार एवं

विभिन्न सरकारी योजनाओं पर गुणात्मक प्रशिक्षण एवं अधिकतम किशोरियों के माध्यम से आत्म-जागरूकता प्राप्त होती है।सभी हितधारकों (मुख्य रूप से DCM श्रीराम फाउंडेशन, CSRBOX (SMEC ट्रस्ट), यूनिसेफ, जिला) के साथ "आदर्श किशोरी" की उपाधि प्राप्त करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, भरूच द्वारा प्रस्तावित "किशोरी उत्कर्ष पहल" के कार्यान्वयन की प्रक्रिया कार्यालय शिक्षा अधिकारी एवं जिला पंचायत, भरूच) स्वास्थ्य शाखा, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, आईसीडीएस प्रकोष्ठ) द्वारा समन्वित रूप से संचालित करने का निर्णय लिया गया।

एरियल ने नए साल के अवसर पर सभी से #CelebrateEqual का अनुरोध किया

एरियल इंडिया ने पिछले 7 सालों के दौरान देश के सभी परिवारों में घरेलू कामकाज के असमान तरीके से विभाजन के बारे में लगातार बातचीत को बढ़ावा देना और ज्यादा-से-ज्यादा संख्या में पुरुषों से घरेलू कामकाज में हाथ बटाने का अनुरोध करना जारी रखा है। 2014 में एरियल की इस मुहिम की शुरुआत से पहले तक, 79% पुरुषों का ऐसा लगता था कि घरेलू कामकाज सिर्फ महिलाओं की जिम्मेदारी है। हालाँकि, बीते कुछ सालों में लाखों पुरुष अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए आगे आए हैं, जिससे यह संख्या लगातार घटकर 41% हो गई है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि आज के दौर के पुरुष बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं और अपनी ओर से हरसंभव कोशिश कर रहे हैं, साथ ही वे रोजमर्रा के कामकाज में हाथ बटाते हुए अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हैं।

उत्सव और जश्न का दौर फिर से लौट आया है, जब परिवार के लोग साथ मिलकर भोजन का आनंद लेते हैं, त्योहारों की खुशियां मनाते हैं, और धूमधाम से पारिवारिक समारोहों का वजन करते हैं। लेकिन इस बात को अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है कि उत्सव के दौरान कपड़े धोने, घर की साफ-सफाई या खाना पकाने जैसे घरेलू काम काफी बढ़ जाते हैं और इस तरह के काम का बोझ सभी पर एक-समान नहीं होता है। एक तीसरे पक्ष द्वारा स्वतंत्र रूप से किए गए एक नए अध्ययन के नतीजे बेहद चौंकाने वाले हैं, जिसके अनुसार केवल 27%* महिलाएँ मानती हैं कि ऐसे मौकों पर उनके पति घरेलू कामकाज में उनका हाथ बटाते हैं। इसके चलते महिलाओं को उत्सव में समान रूप से भाग लेने से का मौका नहीं मिलता है।

एरियल ने अपनी नई #CelebrateEqual फिल्म के जरिए महिलाओं की दिल की बात को समझने की कोशिश की है, जो यह सवाल उठाती है कि – 'क्या बराबरी का अवसर दिए बिना जश्न मनाना जायज है?' इस फिल्म में परिवार के भोजन के बाद के दृश्य को दिखाया गया है जिसमें पुरुष बैठकर अपने फोन को ब्राउज़ करता हुआ नजर आता है, जबकि महिला मेज की सफाई के साथ-साथ अपने बच्चे को देखभाल कर रही है। वह शख्स अपनी पत्नी से फैमिली ग्रुप पर मिले फोटो के बारे में बताता पूछता है, जो उसी दिन रात के भोजन से पहले की तस्वीरें हैं। वह महिला अपने पति को एक ऐसी तस्वीर ढूंढने के लिए कहती है, जिसमें वह भी उत्सव में शामिल नजर आ रही हो। ज्यादातर तस्वीरों

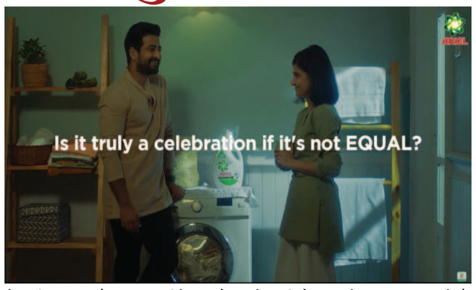

में यही दिखता है कि वह पीछे घर के कामकाज कर रही है और उत्सव एवं जश्न के मौके पर परिवार के साथ शामिल नहीं हो पाई है।

इस मौके पर श्री शरत वर्मा, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, पीएंडजी इंडिया और वाइस प्रेसिडेंट, फैब्रिक केयर, पीएंडजी इंडिया ने कहा, "एरियल में हम दुनिया को सभी के लिए बेहतर बनाना चाहते हैं, एक ऐसी दुनिया जहाँ हर किसी को समान नजरिए से देखा जाए। पिछले कुछ सालों में, एरियल ने अपने अभियानों के जरिए अनजाने में हो रहे भेदभाव और इस तरह की मानसिकता को उजागर किया है, जो हमारे लिए दुनिया को सभी के लिए एक-समान बनाने की राह में बाधक है।"

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने नई इनोवा हाईक्रॉस की कीमतों की घोषणा की

बैंगलोर। टोयोटा किर्लोस्करमोटर (टीकेएम) ने अपनी नई इनोवा हाईक्रॉस की बहुप्रतीक्षित कीमतों की घोषणा की। टोयोटा का नया वाहन रुपये 18,30,000 से 28,97,000 रुपये (एक्स-शोरूम) तक के मूल्य वर्ग में उपलब्ध है।

टोयोटा की ओर से इस बिल्कुल नई पेशकश का अनावरण नवंबर 2022 में किया गया था और तभी बुकिंग शुरू की गई थी।

टोयोटा न्यू ग्लोबल आर्किटेक्चर (टीएनजीए) पर आधारित यह नवीनतम पेशकश टोयोटा की विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गुणवत्ता, स्थायित्व और विश्वसनीयता पर खरी उतरती है और उन्नत प्रौद्योगिकी द्वारा समर्थित है। विविधतापूर्ण इनोवा हाईक्रॉस अपने ग्लैमर कोटेंट, उन्नत तकनीक, आराम के साथ-साथ सुरक्षा और ड्राइव करने के रोमांच के कारण हर अवसर के लिए एक बिल्कुल उपयुक्त वाहन है। इस प्रकार अकेले या दोस्तों और परिवार के साथ यात्रा करने के लिए उपयुक्त है। सेल्फ (स्व) चार्जिंग मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक तकनीक के साथ सेगमेंट ईंधन दक्षता में सर्वश्रेष्ठ प्रदान करने के साथ, इनोवा हाईक्रॉस को एक हरित कल के लिए एक बुद्धिमान विकल्प बनाता है।

इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए श्री अतुल सूद, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स एंड स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग, टीकेएम ने कहा, च्इनोवा हाइक्रॉस की पेशकश भारत में हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और हम वास्तव में देश भर से प्राप्त जबरदस्त प्रतिक्रिया से अभिभूत हैं। फीचर पैक्ड यह वाहन एक एमपीवी की विशालता को प्रदर्शित करता है और ग्राहकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार किया गया है।

हमें यकीन है कि नई इनोवा हाईक्रॉस की कीमत टिकाऊ गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिए टोयोटा की खोज को बढ़ावा देने के साथ-साथ ब्रांड इनोवा की विरासत को मजबूत करेगी। यह बहुमुखी वाहन शक्तिशाली प्रदर्शन, त्वरित त्वरण प्रदान करता है जो इसके आराम और सुरक्षा के साथ-साथ असाधारण ड्राइविंग अनुभव प्रदान करना सुनिश्चित करता है।

नई इनोवा हाईक्रॉस टीएनजीए 2.0 लीटर के साथ 5वीं पीढ़ी के सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक सिस्टम द्वारा संचालित है 4-सिलेंडर गैसोलिन इंजन और ई-ड्राइव अनुक्रमिक शिफ्ट के साथ एक मोनोकॉक फ्रेम 137 केडब्लयू (183.7 एचपी) का अधिकतम पावर आउटपुट देता है, जो तेजी से त्वरण प्रदान करता है और 23.24 केएमीएलट्ट की सेगमेंट ईंधन अर्थव्यवस्था में सर्वश्रेष्ठ प्रदान करता है। यह वाहन टीएनजीए 2.0 लीटर 4-सिलेंडर गैसोलीन इंजन के विकल्प के साथ आता है, जो 129 किलोवाट (171.6 एचपी) के आउटपुट देने वाले चुनिंदा ग्रेड में डायरेक्ट शिफ्ट सीवीटी से जुड़ा है और 16.13 किलोमीटर प्रति लीटर ट्ट की श्रेणी में अग्रणी ईंधन अर्थव्यवस्था की पेशकश करता है।

अमेज़न फ्रेश पर इस सुपर वैल्यू डेज़ के दौरान सीज़न के बेस्टेप्रोडक्ट पर शानदार ऑफ़र के साथ नए साल की शुरुआत करें

बेहतरीन अंदाज में नए साल की शुरुआत करें और 8 जनवरी तक अमेज़न फ्रेश पर इस " सुपर वैल्यू डेज़" के दौरानअपनी जरूरत के किराने के सामान की खरीद करें। इस विंटर सीजन के आनंद को और शानदार बनाने के लिएस्ट्रॉबेरी, शहतूत, गाजर, पालक,मेथी जैसी सीजन की पसंदीदा चीजोंके साथ रोजमर्रा की जरूरी चीजोंको अपने कार्ट में शामिल करें। कस्टमर्स Amazon Fresh पर खरीदारी करके जरूरी किराना, घरेलू सामान, पैकेज्ड फूड, स्नैक्स और बेव्रिजिज, स्टेपल आदि पर 45% तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। दावत, हिमालय, फॉर्च्यून, गोदरेज, और डाबर जैसे लोकप्रिय ब्रांडों के कुछ उम्दाऑफर के साथ अपनी फेवरेट विंटर रेसिपीज को अपने पसंदीदा ऑनलाइन शॉपिंग में शामिल करें।

कस्टमर्स 4 से 7 जनवरी 2023 तक न्यूनतम 2,500 रुपये के ट्रांजेक्शउन और 300 रुपये तक की छूट के साथ आईसीआईसीआई क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर 10% के इंस्टेंट डिस्काउंट का लाभ उठा सकते हैं।

भागीदार सेलर्स के लिए कुछ ऑफ़रइस प्रकार हैं:

मौसमी फलों और सब्जियों की खरीदारी करें:

- फ्रेशस्ट्रॉबेरी, 200 ग्राम- अपनीस्वाकद की चाहत को इस विंटरचिलट्रीट से पूरा करें। Amazon Fresh पर उपलब्ध सीज़न की सबसे फ्रेश प्रीमियम क्वालिटी की स्ट्रॉबेरी को सिर्फ 76 रुपये में खरीदें।
- ताजा लाल स्थानीय गाजर, 1 किलो: सर्दी का मौसम गाजर का मौसम है! ताजी,लाल, कुरकुरी और रसदार गाजर से बने गाजर का हलवा,स्वादिष्ट व्यंरजनों और सलाद का आनंद लें। ये गाजर Amazon Fresh परसिर्फ 30 रुपये में उपलब्ध है।

सुपरसेवर डील:

- दावत रोज़ानासुपर, प्राकृतिकरूप से उगाया, बेतरीनसुगंध, रोज़ाना उपभोग के लिए बिल्कुल सही बासमती चावल, 5 किलो- दावत रोज़ानासुपर खरीदें, जो बेहतरीन बासमती चावल है। यह नियमित व्यंजनों के साथ रोजाना उपभोग के लिए विशेष रूप से प्रोसेस किया गया है और रोजमर्रा के उपयोग

के लिए एकदम सही पसंद है। यह Amazon.in पर 349 रुपये में उपलब्ध है।
- गोदरेज एयरमैटिक रिफिल - ऑटोमैटिक रूम फ्रेशनर (225 मिली): वायोला के फूलों से प्रेरित गोदरेज एयर मैटिक वाय लेटवैली ब्लू रिफिल आजमाएं। यह एक फ्लेक्सी-कंट्रोलटाइमर के साथ आता है जो हर 10, 20 या 40 मिनट में स्प्रे करता है, जिससे आप खुशबू की इन्टेंसिटी को कंट्रोलकर सकते हैं। अपनीकिलरलुक्स के साथ, हमारा ऑटोमेटेड एयरफ्रेशनर निश्चित रूप से आपके पूरे घर को महकाएगाफिर चाहे आपका लिविंग रूम, बेडरूम या ऑफिस क्यों न हो। इसे Amazon.in पर 242 में खरीदें।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-22 ।42 ।1, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)